इंदौर, भोपाल से एक साथ प्रकाशित

मृदुभाषी

सच्ची ख़बरें, सलीके के साथ



04
दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी के भविष्य पर टकटकी

03
तबादलों को लेकर पटवारी का बड़ा हमला



youtube.com/mradubhashi x.com/mradubhashi1 facebook.com/mradubhashi

इंदौर, बुधवार, 11 नवम्बर 2026 नगर संस्करण, वर्ष: 07, अंक: 53, पृष्ठ: 08, मूल्य: 5:00 रूपए

मध्यप्रदेश में 20 दिसंबर को होगी TET परीक्षा, फेल हुए तो नौकरी से हटाने या अनिवार्य सेवानिवृत्ति का खतरा

डेढ़ लाख शिक्षक पात्रता के दायरे में, लेकिन आवेदन सिर्फ 34 हजार 199 ने किए

20 हजार सरकारी शिक्षक और 14 हजार निजी स्कूलों के शिक्षक देंगे परीक्षा

मृदुभाषी। नई दिल्ली

मध्य प्रदेश के सरकारी और निजी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए बड़ी अपडेट सामने आ गई है, जहां सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और लंबी प्रशासनिक खींचतान के बाद आखिरकार शिक्षक पात्रता परीक्षा की तारीख तय हो गई है। प्रदेशभर में यह महत्वपूर्ण परीक्षा आगामी 20 दिसंबर को जिला मुख्यालयों पर सुबह 11 बजे से ऑफलाइन मोड में आयोजित की जाएगी।

लोक शिक्षण आयुक्त कार्यालय की सहमति मिलने के बाद आधिकारिक तौर पर परीक्षा की तारीख घोषित कर दी है, क्योंकि राज्य सरकार को वर्ष 2028 तक इस पूरी पात्रता प्रक्रिया को अनिवार्य रूप से पूरा करना है। शुरुआत में इस परीक्षा को ऑनलाइन कराने की योजना थी और कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया शुरू की गई थी, लेकिन ग्रामीण अंचलों में पदस्थ शिक्षकों को कंप्यूटर संचालन में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों का हवाला देते हुए शिक्षक संगठनों ने ऑफलाइन परीक्षा की जोरदार मांग उठाई थी।



आवेदनों का चौंकाने वाला आंकड़ा और परीक्षा का इतिहासः इस परीक्षा को लेकर सबसे चौंकाने वाला आंकड़ा आवेदनों की संख्या को लेकर सामने आया है, जहाँ प्रदेशभर में इस पात्रता परीक्षा के दायरे में आने वाले शिक्षकों की कुल संख्या करीब डेढ़ लाख बताई जा रही है, लेकिन तमाम तिराहे-चौराहे पार करने और आवेदन की अंतिम तारीख तीन बार बढ़ाए जाने के बावजूद केवल 34,199 शिक्षकों ने ही इसके लिए पंजीकरण कराया है। इनमें लगभग 20 हजार सरकारी शिक्षक और करीब 14 हजार निजी स्कूलों के शिक्षक शामिल हैं, और परीक्षा संगठनों के विरोध के चलते कम आवेदन आना बड़ा चर्चा का विषय बना है।

मध्यप्रदेश के शिक्षकों के लिए जरूरी जानकारी

टीईटी किसे देना है, किसे छूट है?

किन शिक्षकों को टीईटी पास करना जरूरी है?

- आरटीई अधिनियम के दायरे वाले स्कूलों में कार्यरत वे शिक्षक, जिनकी नियुक्ति आरटीई अधिनियम 2009 लागू होने से पहले हुई थी और 1 सितंबर 2025 को सेवानिवृत्ति में 5 साल से अधिक सेवा बाकी थी — उन्हें **31 अगस्त 2028** तक टीईटी उत्तीर्ण करना होगा।
- पदोन्नति चाहने वाले शिक्षक — सेवा के शेष वर्षों की परवाह किए बिना टीईटी उत्तीर्ण करना जरूरी है।

किन्हें सीमित छूट मिली है?

- आरटीई लागू होने से पहले नियुक्त वे शिक्षक, जिनकी 1 सितंबर 2025 को सेवानिवृत्ति में 5 साल से कम सेवा बाकी थी — वे बिना टीईटी पास किए सेवानिवृत्ति तक सेवा में रह सकते हैं।
- लेकिन टीईटी पास किए बिना उन्हें पदोन्नति नहीं मिलेगी।

20 दिसंबर की परीक्षा में आवेदन नहीं किया तो?

- इस बार 20 दिसंबर की परीक्षा में शामिल नहीं हो पाएंगे।
- केवल इस परीक्षा का आवेदन छूटने से तत्काल नौकरी अपने-आप समाप्त नहीं होती।
- जिन पर टीईटी अनिवार्य है, उन्हें **31 अगस्त 2028** की समय-सीमा तक अगली उपलब्ध परीक्षा में पास करना होगा; समय-सीमा तक पास नहीं करने पर सेवा जारी रखने पर असर पड़ सकता है।
- अगली परीक्षा और आवेदन की सूचना माध्यमिक शिक्षा मंडल/स्कूल शिक्षा विभाग से देखें।

नोटः यह सामान्य जानकारी है। सुप्रीम कोर्ट के 29 मई 2026 के आदेश के अनुसार नियम लागू होंगे; नियुक्ति की तारीख, स्कूल का RTE के दायरे में होना और सेवा-अवधि देखकर व्यक्तिगत स्थिति तय करें।

फेल होने पर कार्रवाई और सेवा लाभों पर पड़ेगा असर

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और प्रशासनिक प्रावधानों के अनुसार, सेवारत शिक्षकों के लिए यह पात्रता परीक्षा पास करना अनिवार्य किया गया है ताकि उनकी शैक्षणिक दक्षता की पुष्टि भली-भांति हो सके। यदि कोई भी सेवारत शिक्षक निर्धारित समय-सीमा यानी वर्ष 2028 तक इस पात्रता परीक्षा को उत्तीर्ण करने में असफल रहता है, तो उन्हें सेवा से हटाने या अनिवार्य सेवानिवृत्ति जैसी सख्त प्रशासनिक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, बिना पात्रता परीक्षा पास किए शिक्षकों को भविष्य में मिलने वाले प्रमोशन यानी पदोन्नति और अन्य सभी प्रकार के सेवा लाभों से भी वंचित होना पड़ सकता है। हालांकि, राहत की बात यह है कि जिन शिक्षकों की सेवानिवृत्ति में नियमों के तहत पांच साल से कम की अवधि बची है, उन्हें सेवा में बने रहने की विशेष छूट का प्रावधान भी रखा गया है। 20 दिसंबर की तारीख तय होने के बाद अब शिक्षकों के सामने तैयारी के लिए बेहद सीमित समय बचा है, और सभी की निगाहें माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जल्द जारी होने वाले विस्तृत दिशा-निर्देशों तथा प्रवेश पत्रों पर टिकी हुई हैं।



शेख हसीना को करना होगा मौत की सजा का सामना

मृदुभाषी। नई दिल्ली

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है।

बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के मुख्य अभियोजक मोहम्मद अमीनुल इस्लाम ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि शेख हसीना को अब मौत की सजा का सामना करना होगा और उनके पास इससे बचने का कोई भी कानूनी रास्ता शेष नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने हसीना को नया पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज दिए जाने की संभावना को भी पूरी तरह से खारिज कर दिया है। यह बयान ऐसे समय में सामने आया है जब मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया था कि लंदन की एक कानूनी फर्म ने नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग से संपर्क साधकर शेख हसीना के लिए नए पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र की मांग की है। शेख हसीना ने आगामी दिसंबर महीने में बांग्लादेश वापस लौटने इच्छा जताई है।

प्रणब मुखर्जी की प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा पर छिड़ी सियासी बहस, बेटी शर्मिष्ठा के तीखे सवालों से गरमाई राजनीति

किताब पर घमासान

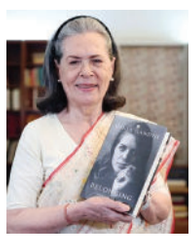
मृदुभाषी। नई दिल्ली

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की बहुप्रतीक्षित आत्मकथा 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' के बाजार में आते ही भारतीय राजनीतिक गलियारों में एक नया भूचाल आ गया है।

बिना किसी पूर्व लॉन्च इवेंट के सीधे पाठकों के हाथों में पहुंची इस किताब ने कांग्रेस के भीतर के कई अनछुए अध्यायों और सियासी समीकरणों को उजागर कर दिया है। हार्पर कॉलिन्स इंडिया द्वारा प्रकाशित 544 पन्नों और सात अध्यायों वाली इस पुस्तक के पहले संस्करण में एक लाख कॉपियां छपी हैं। किताब के कवर पर 1966 में राजीव गांधी द्वारा खींची गई सोनिया की एक खूबसूरत तस्वीर है। हालांकि सोनिया गांधी ने इसे पूरी तरह एक निजी संस्मरण बताते हुए यह स्पष्ट किया है कि यह कोई राजनीतिक किताब नहीं है, लेकिन इसके पन्नों में दर्ज कुछ सियासी किस्से अब देश की मुख्यधारा की राजनीति में तीखी बहस का केंद्र बन गए हैं।

प्रणब मुखर्जी की पीएम बनने की इच्छा पर सोनिया का सनसनीखेज दावा

पुस्तक के एक हिस्से में सोनिया गांधी ने वर्ष 2010 की एक घटना का जिक्र किया है, जब देश के तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी और पी. चिदंबरम के बीच गंभीर मतभेद पैदा हो गए थे। सोनिया के अनुसार, इसी सियासी खींचतान के दौरान प्रणब दा ने उनसे बातचीत में यह संकेत दिया था कि शायद अब शीर्ष नेतृत्व में बदलाव का समय आ गया है। सोनिया गांधी ने इस बातचीत को प्रणब मुखर्जी की प्रधानमंत्री बनने की पुरानी और दबी हुई इच्छा के रूप में समझा। उन्होंने किताब में लिखा है कि उस संवेदनशील मौके पर उन्होंने बेहद विनम्रता के साथ बातचीत का विषय बदल दिया था। यह भी जोड़ा कि इसके बावजूद प्रणब मुखर्जी ने कभी उन्हें अहसास नहीं होने दिया कि वे इस वाकये से नाराज हैं।



शर्मिष्ठा मुखर्जी का पलटवारः इसमें हैरान होने वाली क्या बात है?

सोनिया गांधी द्वारा अपनी आत्मकथा में इस बात का जिक्र किए जाने के बाद दिवंगत प्रणब मुखर्जी की बेटी और प्रख्यात लेखिका शर्मिष्ठा मुखर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर मोर्चा खोल दिया है। शर्मिष्ठा ने बेहद तीखे तेवर अपनाते हुए सवाल उठाया कि उनके पिता की प्रधानमंत्री बनने की इच्छा पर आखिर सोनिया गांधी को हैरानी क्यों हुई? उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि उनके पिता ने कोई भी पद खैरात में नहीं लिया था, बल्कि उन्होंने दशकों की कड़ी मेहनत, प्रशासनिक अनुभव, असाधारण राजनीतिक सूझबूझ और अपनी काबिलियत के दम पर यह मुकाम हासिल किया था, न कि किसी राजनीतिक पारिवारिक विरासत के आधार पर।



निजी संस्मरणों के बीच खुलासों का दौर

सोनिया गांधी के शुरुआती जीवन के पहलुओं को गहराई से उकेरा गया है। इसमें उनके कैम्ब्रिज के दिनों के संघर्ष, राजीव गांधी से पहली नजर के प्यार, उनके परिवार की आपत्तियों के बीच भारत आने, इंदिरा गांधी के साए में खुद को ढलने और राहुल गांधी के जन्म से जुड़ी निजी और भावुक यादें शामिल हैं। साथ ही किताब में आपातकाल के बाद की उथल-पुथल, परिवार में घटी त्रासदियों और वर्ष 2004 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस गठबंधन को बहुमत मिलने के बावजूद अंतरात्मा की आवाज पर प्रधानमंत्री पद ठुकराने जैसे बड़े राजनीतिक मोड़ों का सिलसिलेवार जिक्र किया गया।

गांधी-नेहरू परिवार पर सीधा निशानाः शर्मिष्ठा मुखर्जी ने अपने तीखे बयानों में सीधे तौर पर गांधी-नेहरू परिवार पर निशाना साधा। उन्होंने कटाक्ष करते हुए लिखा कि शायद सोनिया गांधी को इस बात से गहरा झटका या हैरानी लगी होगी कि उनके परिवार के दायरे से बाहर का कोई व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा रखने की हिम्मत कैसे कर सकता है। अपने पिता के बयानों को याद करते हुए शर्मिष्ठा ने कहा कि प्रणब दा अक्सर यह मानते थे कि राजनीति में सक्रिय और हर योग्य राजनेता के मन में देश के सर्वोच्च पद तक पहुंचने की स्वाभाविक महत्वाकांक्षा होनी चाहिए।

मंदसौर के गरोठ में

सात साल की मासूम से दुष्कर्म के बाद पत्थरों से सिर कुचलकर हत्या

मृदुभाषी। मंदसौर

जिले के गरोठ थाना क्षेत्र के लुक्का गांव में इंसानियत को झकझोर देने वाली एक बेहद दर्दनाक और सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहाँ महज 7 साल की एक अबोध बालिका के साथ दो दरिंदों ने पहले बेरहमी से दुष्कर्म किया और फिर पत्थरों से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी।

मृतका के पिता और आरोपी लुक्का गांव में ही साथ में मजदूरी का काम करते थे, और मासूम बच्ची सोमवार से अचानक गायब थी, जिसके बाद परिजनों ने गरोठ थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मंगलवार सुबह गांव के ही एक कुएं के पास बरगद के पेड़ के नीचे बच्ची का लहूलुहान शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और भारी आक्रोश व्याप्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे



में हड़कंप मच गया और पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है, जबकि इलाके में तनाव को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद मंदसौर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना जब गरोठ पहुंचे, तो आक्रोशित जनता ने उनके सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों को फांसी दिए जाने की मांग को लेकर चक्काजाम शुरू कर दिया है, जिससे इस जघन्य वारदात ने एक बार फिर समाज और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

NSG की काली वर्दी जल्द बदलेगी



नई दिल्ली। देश के सबसे खूंखार और प्रशिक्षित वीआईपी सुरक्षा बलों में शुमार ब्लैक कैट कमांडो यानी नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) की पारंपरिक काली वर्दी अब जल्द ही नए रूप में नजर आने वाली है। इस बदलाव की मुख्य वजह भीषण गर्मी और उमस से कमांडो को होने वाली परेशानियां हैं, जिसे देखते हुए एनएसजी ने अपने कमांडो के लिए विशेष रूप से नई 'ब्रीदेबल' यानी हवादार यूनिफॉर्म तैयार करने की सिफारिश की है।

अलौकिक उत्साह और गगनभेदी जयकारों के बीच उज्जैन पहुंचे आकामौला

उज्जैन में सैयदना साहब का स्वागत, सिंहस्थ का न्योता

मृदुभाषी। भोपाल

बोहरा समाज के धर्मगुरु सैयदना डॉ. मुफद्दल सैफुद्दीन साहब के उज्जैन आगमन पर शहर में श्रद्धा और उत्साह का अनूठा माहौल देखने को मिला। उनके नगर में प्रवेश की खबर मिलते ही आसपास के शहरों से बड़ी संख्या में समाजजन उज्जैन पहुंच गए, जिससे सुबह से ही खाराकुआं और कमरी मार्ग पर भक्तों का तांता लग गया।

हर कोई अपने आकामौला की एक झलक पाने के लिए आतुर नजर आ रहा था। जैसे ही सैयदना साहब उज्जैन की सीमा में पहुंचे, 'मौला-मौला' के गगनभेदी हर्ष घोष से पूरा इलाका गुंजायमान हो गया और दीदार की खुशी में कई समाजजनों की आंखें छलक पड़ीं। भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए खाराकुआं व कमरी मार्ग पर कुशल बुरहानी गार्डों को विशेष रूप से तैनात किया गया था। उज्जैन पहुंचते ही सैयदना साहब ने



अपनी परंपरा का निर्वहन करते हुए सबसे पहले खाराकुआं स्थित हसनजी बादशाह की दरगाह पहुंचकर जियारत की। इसके बाद वे कमरी मार्ग स्थित ऐतिहासिक मजार-ए-नजमी पहुंचे, जहां उन्होंने अपने पूर्वजों की मजार पर हाजिरी दी और जियारत की। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद समाजजनों से आत्मीय मुलाकात की और उन्हें अपने बहुमूल्य आशीर्वचन प्रदान किए। मजार-ए-नजमी में सैयदना साहब के पूर्वजों की मजारें स्थित हैं, और वे जब भी उज्जैन आते हैं, यहां जियारत जरूर करते हैं। जियारत के इस पवित्र अनुष्ठान के बाद वे नजमी परिसर स्थित भवन में विश्राम के लिए चले गए। मुख्यमंत्री से इस महत्वपूर्ण भेंट और आशीर्वाद के पश्चात सैयदना साहब तराना में आयोजित एक अन्य धार्मिक कार्यक्रम के लिए रवाना हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सैयदना साहब इन दिनों इंदौर, देपालपुर और गौतमपुरा के प्रवास पर हैं, और इसी यात्रा के दौरान उनका उज्जैन तथा आगर क्षेत्र का दौरा भी तय हुआ है। आगर जाने के इस कार्यक्रम को लेकर भी स्थानीय समाजजनों में भारी उत्साह और उमंग का माहौल है। समाज के जनसंपर्क अधिकारी अली असगर मोय्यदी ने बताया कि धर्मगुरु के आगमन की सूचना मात्र से ही पूरे समाज में हर्ष की लहर दौड़ गई है।

मोहन यादव ने सिंहस्थ का दिया आमंत्रण

इसी दौरान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष रूप से कमरी मार्ग स्थित मजार-ए-नजमी पहुंचे और सैयदना साहब से सौजन्य भेंट की। मुलाकात के दौरान दोनों ने एक-दूसरे को दीपावली के पावन पर्व की आत्मीय शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सैयदना साहब को आगामी वर्ष 2028 में उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ का आधिकारिक और आदरपूर्ण न्योता दिया। सैयदना साहब ने दीपावली की शुभकामनाएं स्वीकार करते हुए मध्य प्रदेश की निरंतर प्रगति, देश-दुनिया के नागरिकों की सुख-समृद्धि और कल्याण के लिए अपना आशीर्वाद दिया। उन्होंने विशेष रूप से सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर उज्जैन के कायाकल्प और विकास के लिए शासन-प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की मुक्तकंठ से सराहना की।

चुनाव आयोग का कड़ा फैसला

रिटायर सरकारी अफसरों पर भी लागू होगी आचार संहिता



नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता को लेकर एक बेहद कड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस नए फैसले के तहत अब आचार संहिता का दायरा सिर्फ मौजूदा सरकारी कर्मचारियों तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि रिटायर होने के बाद दोबारा सरकार के लिए संविदा या अन्य रूपों में काम कर रहे अधिकारियों और लोगों पर भी यह पूरी तरह लागू होगी। आयोग ने यह सख्त निर्णय कुछ विशिष्ट मामलों में सरकारी पदों और रुतबे के कथित गलत इस्तेमाल की शिकायतें मिलने के बाद लिया है। नए नियमों के मुताबिक अब इन तमाम अफसरों को भी पूर्ण राजनीतिक निष्पक्षता बनाए रखनी होगी और किसी भी प्रकार के राजनीतिक चुनाव प्रचार या कैंपेनिंग से पूरी तरह दूर रहना होगा। इस अहम फैसले के संबंध में चुनाव आयोग ने गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्य सचिवों, मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को 9 नवंबर को औपचारिक पत्र भेजकर सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं।

पटाखों के कचरे से अटी सड़कें रातों-रात चकाचक

निगमायुक्त खुद उतरे मैदान में, 1600 टन कचरा साफ कर पेश की मिसाल

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर । स्वच्छ सर्वेक्षण के परिणाम भले ही नई दिल्ली में घोषित होने वाले हों, लेकिन इंदौर ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि स्वच्छता के मामले में उसका कोई सानी नहीं है। दीपावली के दिन शहरवासियों द्वारा देर रात तक जमकर की गई आतिशबाजी के बाद सड़कें पटाखों के कचरे से पूरी तरह पट गई थीं। हालांकि, सुबह जब लोग घरों से बाहर निकले, तो नजारा एकदम बदला हुआ था और सड़कें रोजाना की तरह चकाचक नजर आ रही थीं।

यह सब नगर निगम के सफाई मित्रों की कड़ी मेहनत और पूर्व नियोजित कार्ययोजना की बदौलत संभव हो सका। सोमवार तड़के तीन बजे से ही निगम की टीमें मैदान में जुटने लगी थीं और सुबह चार बजे सफाई मित्रों ने अपनी-अपनी बीटों में सफाई का काम शुरू कर दिया था। मुख्य बाजारों, प्रमुख सड़कों और भीड़भाड़ वाले इलाकों को प्राथमिकता देते हुए सुबह आठ बजे तक मुख्य मार्ग पूरी तरह साफ कर दिए गए।

सामान्य दिनों की तुलना में 20% अधिक कचरा

सफाई व्यवस्था का जायजा लेने और सफाई मित्रों



का हौसला बढ़ाने के लिए निगमायुक्त क्षितिज सिंघल खुद मैदान में उतरे। उन्होंने राजवाड़ा, जीपीओ, सरवटे बस स्टैंड, सियागंज, बंबई बाजार, कपड़ा मार्केट, सराफा, एमजी रोड, विजयनगर और खजराना सहित शहर के दर्जनों प्रमुख चौराहों एवं बाजारों का सघन निरीक्षण किया। पटाखों के कारण सोमवार को शहर में कचरे की मात्रा सामान्य दिनों की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत अधिक रही और कुल 1600 टन से ज्यादा कचरा एकत्रित किया गया। आमतौर पर गीले कचरे की मात्रा अधिक होती है, लेकिन इस बार सूखा कचरा गीले कचरे से लगभग 400 टन अधिक निकला। कचरा प्रबंधन के लिए ट्रैक्टर, डंपर और सफाई वाहनों के विशेष इंतजाम किए गए थे ताकि ट्रांसफर स्टेशनों से लेकर प्रोसेसिंग साइट तक कचरे का समयबद्ध स्थानांतरण हो सके। अभियान की निगरानी के लिए दारोगा, सीएसआई, स्वास्थ्य अधिकारी, जोनल अधिकारी और अपर आयुक्त लगातार फील्ड में तैनात रहे।

एक सप्ताह पहले ही विशेष योजना तैयार

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि दिवाली के अगले दिन के लिए एक सप्ताह पहले ही विशेष योजना तैयार कर ली गई थी, जिससे सुबह उठते ही शहरवासियों को शहर स्वच्छ मिला। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी विवेक गंगराडे ने इसे निगम के बेहतरीन टीम वर्क का परिणाम बताया। हालांकि, मुख्य मार्गों की त्वरित सफाई के बीच श्रीनगर मेन और अशोक नगर जैसी कुछ कॉलोनियों व मोहल्लों की अंदरूनी गलियों से समय पर सफाई न होने की शिकायतें भी सामने आईं, जहां मुख्य मार्ग साफ करने के बाद कर्मचारी लौट गए थे। इसके बावजूद इंदौर ने स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर साबित किया है।

जीवन प्रमाण पत्र का झांसा बुजुर्ग से 2 लाख की ठगी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर । साइबर ठगों द्वारा घर बैठे डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (लाइफ सर्टिफिकेट) बनवाने का झांसा देकर एक 76 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक से दो लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है।

हालांकि, घटना के तुरंत बाद हरकत में आई क्राइम ब्रांच और साइबर पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर ठगी गई पूरी राशि बुजुर्ग के खाते में सुरक्षित वापस करा दी। पीड़ित शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। अपनी पेंशन जारी रखने के लिए आवश्यक जीवन प्रमाण पत्र बनवाने के उद्देश्य से वे सोशल मीडिया पर जानकारी तलाश रहे थे। इसी दौरान उन्हें फेसबुक पर एक विज्ञापन दिखा, जिसमें घर बैठे ऑनलाइन जीवन प्रमाण पत्र तैयार करने का दावा किया गया था। जैसे ही पीड़ित ने उस विज्ञापन पर क्लिक किया, साइबर जालसाजों ने उनसे संपर्क साधा और एक संदिग्ध लिंक भेजकर बैंक खाते व अन्य संवेदनशील वित्तीय विवरण भरने को कहा। जानकारी दर्ज करते ही बुजुर्ग के खाते से 2 लाख रुपये निकल गए। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने बताया कि खाते से राशि कटने की सूचना मिलते ही पीड़ित ने फौरन पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। साइबर सेल ने तुरंत जांच शुरू की, जिसमें तकनीकी साक्ष्यों से पता चला कि जालसाजों ने ठगी की राशि से विभिन्न ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर खरीदारी की थी और सामान की डिलीवरी पश्चिम बंगाल के पते पर मंगवाई गई थी। पुलिस टीम ने संबंधित ई-कॉमर्स कंपनियों से तत्काल समन्वय स्थापित कर सभी ऑर्डर्स को डिलीवरी से पहले ही रद्द करवा दिया।

तेज आवाज में साउंड बजाने का विरोध करने पर पैरालिसिस पीड़ित अधेड़ की हत्या

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शहर के सेंट्रल कोतवाली थाना क्षेत्र में तेज आवाज में डीजे और साउंड बजाने का विरोध करने पर एक दर्दनाक मामला सामने आया है।

मामूली बात पर हुए विवाद में पड़ोसी के धक्का देने से पैरालिसिस से पीड़ित 50 वर्षय संदीप वर्मा की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद से आरोपी पड़ोसी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार, मृतक संदीप वर्मा (50) नॉर्थ तोड़ा इलाके के रहने वाले थे और कुछ समय से पैरालिसिस से पीड़ित थे। उनके परिवार में एक बेटा और एक बेटी हैं, जिसमें बेटी निजी नौकरी करती है और बेटा पढ़ाई कर रहा है।

सोमवार शाम उनके घर के पास ही रहने वाला पड़ोसी अनिल वर्मा, जो पेशे से ई-रिक्शा चालक है, तेज आवाज में साउंड बजा रहा था। अत्यधिक तेज आवाज से परेशान होकर संदीप वर्मा ने पड़ोसी अनिल से साउंड की आवाज कम करने का आग्रह किया। इसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर आरोपी अनिल ने पैरालिसिस पीड़ित संदीप के साथ हाथापाई करते हुए उन्हें जोरदार धक्का दे दिया।

परिजनों का आरोप है कि धक्का लगने से संदीप असंतुलित होकर पीछे की ओर दीवार से जा टकराए और गंभीर रूप से बेसुध होकर नीचे गिर पड़े।

घटना के तुरंत बाद घबराए परिजन उन्हें लेकर तुरंत एमवाय अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों की देखरेख में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सेंट्रल कोतवाली थाना पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर लिया है और आरोपी अनिल वर्मा की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आरोपी के खिलाफ अग्रिम और कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में युवक की मौत

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र स्थित सुपर कॉरिडोर पर बोहरा कॉलोनी के सामने मंगलवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार दूध टैंकर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में इंजीनियरिंग के प्रथम वर्ष के छात्र निहाल (19) की मौत हो गई। एरोड्रम पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान निहाल पुत्र विनय पांडे निवासी चौथी पलटन, इंदौर के रूप में हुई है। निहाल सेज यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहा था।

घूमने जाने की बोलकर निकला था घर से

परिजनों ने बताया कि निहाल मंगलवार सुबह घर से यह कहकर निकला था कि वह घूमकर वापस आता है। लेकिन कुछ ही देर बाद हादसे की दुखद खबर घर पहुंच गई। टैंकर और बाइक की टक्कर इतनी भीषण थी कि निहाल को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे में उसकी मौत हो गई। निहाल अपने परिवार में चार बहनों का इकलौता भाई था। उसकी असमय मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और पूरे इलाके में मातम छा गया। परिजनों ने रोते हुए बताया कि आगामी 25 नवंबर को उसकी बहन की शादी थी। पूरा परिवार शादी की तैयारियों में जुटा हुआ था। निहाल मूल रूप से प्रयागराज का रहने वाला था। उसके पिता इंदौर में ई-रिक्शा चलाने का काम करते हैं।

अवैध कॉलोनी निर्माण पर चली जेसीबी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शहर में अवैध कॉलोनियों के निर्माण पर शिकंजा कसते हुए नगर निगम ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। मंगलवार को निगम की टीम ने जोन क्रमांक 8 के अंतर्गत खजराना क्षेत्र में बिना अनुमति विकसित की जा रही एक अवैध कॉलोनी के निर्माण को जमींदोज कर दिया। यह कार्रवाई नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के सख्त निदेशों पर की गई। मामला ग्राम खजराना स्थित खसरा नंबर 523/2 की जमीन से जुड़ा है।

राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार, यह विवादित भूमि तुलसीराम पिता दुगार्शंकर रघुवंशी, सविताबिहारी पिता तुलसीराम, हेमेन्द्र पिता प्रमेन्द्र सिंह और रेणु पति रघु परमार के नाम पर दर्ज है। निगम प्रशासन को गुप्त सूचना मिली थी कि इस भूमि पर बिना किसी वैधानिक अनुमति के अवैध तरीके से कॉलोनी बसाने की तैयारी की जा रही है।

मौके पर कॉलोनी निर्माण के उद्देश्य से ड्रेनेज लाइन बिछाने के साथ-साथ कंक्रीट के कॉलम खड़े किए जा रहे थे।



अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा

सूचना की पुष्टि होते ही निगम का रिमूवल दस्ता मौके पर पहुंचा और अवैध रूप से बनाई जा रही संरचनाओं को हटाने की कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान कॉलोनी सेल की एई टीना सिसोदिया, भवन अधिकारी सुनील जादोन और मुख्यालय के भवन निरीक्षक सहित रिमूवल गैंग के कर्मचारी मौजूद रहे। टीम ने मौके पर बिछाई जा रही ड्रेनेज लाइन और निर्मित कॉलमों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। नगर निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि शहर में अवैध कॉलोनियों के विकास और अनधिकृत निर्माण गतिविधियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा। बिना स्वीकृति के भूमि विकास करने वालों और भू-माफियाओं के खिलाफ निगम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है, ताकि शहर के व्यवस्थित विकास को सुनिश्चित किया जा सके।

जनसुनवाई में आए 35 आवेदन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। पुलिस आयुक्त नगरीय संतोष कुमार सिंह द्वारा कमिश्नर कार्यालय के सभागार में आयोजित जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं को सुन त्वरित निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। आज की जनसुनवाई में कुल 35 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें प्रमुख रूप से पति द्वारा तथा सास-ससुर व ननंद द्वारा परेशान करने संबंधी आपसी पारिवारिक विवाद, पड़ौसियों से आपसी विवाद, युवती द्वारा झूठी शिकायत में फसाने की धमकी देने संबंधी, आपसी पैसों के लेन-देन, सुनवाई न होने की शिकायतें, प्लॉट/मकान, जमीन संबंधी धोखाधड़ी, महिला अपराध एवं अन्य पुलिस संबंधित प्रकरण



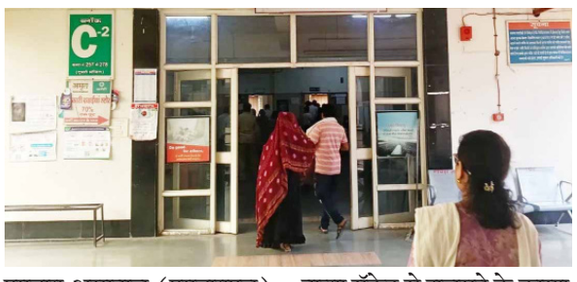
शामिल रहे।

पुलिस कमिश्नर द्वारा प्रत्येक आवेदक की समस्याओं एवं व्यथा को गंभीरता पूर्वक सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों को समक्ष में एवं फोन के द्वारा भी त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही आमजन को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा, न्याय और अधिकारों के संरक्षण हेतु सदैव प्रतिबद्ध है। जनसुनवाई के दौरान अति पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री मयंक अवस्थी सहित सभी जोन के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आवेदकों की समस्याओं को विस्तार से सुना गया तथा मौके पर ही आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ की गई।

पटाखों की चिंगारी से 14 लोग घायल, कईयों की आंखें और पलकें झुलसीं

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। दीपावली पर घर-आंगन को रोशन करने और खुशियां मनाने के लिए की गई आतिशबाजी कुछ लोगों के लिए बेहद दर्दनाक अनुभव साबित हुई। रोशनी के इस त्योहार में पटाखों की चिंगारी और लापरवाही के कारण कई लोगों की आंखों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। आतिशबाजी के दौरान हुई इन घटनाओं में कुल 14 से ज्यादा लोग घायल होकर अस्पतालों में पहुंचे। अकेले



एमवाय अस्पताल (एमवायएच) में ही आंखों में चोट लगने की समस्या लेकर अब तक एक दर्जन से अधिक मरीज पहुंच चुके हैं। मूसाखेड़ी निवासी 6 साल की तान्या रॉकेट से झुलसने के कारण भर्ती हुई, जिसकी पलकें जल गई थीं। वहीं 8 साल के रूद्र की दोनों आंखों में पटाखे से चोट आई। सांवेर, ठिकरिया और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी मरीज इलाज के लिए पहुंचे हैं।

सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ निजी क्लीनिकों पर भी पीड़ित

सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ निजी क्लीनिकों पर भी पीड़ित पहुंचे। अनार फटने से एक युवती की आंख की पुतली फट गई और आंख में खून उतर आया, जबकि रॉकेट लगने से 16 वर्षीय युवती का चेहरा बुरी तरह झुलस गया। एमवायएच के नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. प्रीति रावत ने बताया कि अब तक 14 से अधिक मरीज आ चुके हैं, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। गंभीर चोट वाली युवती को तत्काल उपचार दिया गया है और आने वाले दिनों में यह आंकड़ा बढ़ भी सकता है। दूसरी ओर, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. विवेक भंडारी के अनुसार, पिछले वर्ष की तुलना में इस बार आंखों की चोट के मामले कम आए हैं। रात भर रॉकेट और अनार से झुलसे मरीजों का इलाज लगातार जारी रहा।

मेट्रो का सफर अब होगा आसान

इंदौर। मेट्रो में सफर करने वाले यात्री अब स्मार्ट कार्ड से अपने टिकट बुक कर सकेंगे। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा भोपाल एवं इंदौर मेट्रो के यात्रियों को नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड की सुविधा 12 नवंबर से शुरू की जाएगी। इस सुविधा के तहत यात्री स्मार्ट कार्ड का उपयोग कर मेट्रो में यात्रा कर सकेंगे तथा प्रत्येक यात्रा पर 25 प्रतिशत की छूट का लाभ भी प्राप्त कर सकेंगे।

कार्यालय नगरपालिका परिषद खरगोन जिला, खरगोन म.प्र.

निविदा सूचना क्रमांक/161/MCK/16472M-टेंडर/2026 — खरगोन, दिनांक 05.11.2026

//द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना//

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत फर्म/ ठेकेदारों से निम्नांकित कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

अ.क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_548111_1 दिनांक 6.11.2026	वार्ड क्रमांक 04 कृष्णकुंज कॉलोनी एवं श्रीनाथ कॉलोनी की विभिन्न गलियों में बी.टी. रोड निर्माण कार्य।	04 माह लागत 3382419/-	5000/- 25368/-	20.11.2026 05.30 pm
2.	2026_UAD_548200_1 दिनांक 6.11.2026	वार्ड क. 06 द्वारकाधाम कॉलोनी की गली नं. 1 एवं 2 तथा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी विभिन्न गलियों में बी.टी. रोड का निर्माण कार्य।	04 माह लागत 3388093/-	5000/- 25411/-	
3.	2026_UAD_548201_1 दिनांक 6.11.2026	वार्ड क. 10 सराफा बाजार अलका स्टोर से गणेश चौक भावसार मोहल्ला एवं अन्य गलियों में बी.टी. रोड निर्माण कार्य ।	04 माह लागत 2510963/-	5000/- 18900/-	
4.	2026_UAD_548202_1 दिनांक 6.11.2026	वार्ड क. 17 विभिन्न स्थानों पर बी.टी. रोड निर्माण कार्य।	02 माह लागत- 1864413/-	2000/- 13983/-	
5.	2026_UAD_548203_1 दिनांक 6.11.2026	वार्ड क. 21 मोतीपुरा में राजेश यादव के मकान से मुकेश योगी के मकान तक बी.टी. रोड निर्माण कार्य।	02 माह लागत- 1263892/-	2000/- 9479/-	
6.	2026_UAD_548204_1 दिनांक 6.11.2026	वार्ड क. 27 न्यू काजीपुरा में शितला माता मंदिर से आरीफ फुट वाले के मकान तक एवं अन्य स्थानों पर बी.टी. रोड निर्माण कार्य ।	02 माह लागत- 1269963/-	2000/- 9525/-	

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन **https://mptenders.gov.in** की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

(छाया जोशी) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, खरगोन

(भोलू कर्मा) उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद, खरगोन

(धीरेन्द्रसिंह चौहान) सभापति, लो.नि. विद्युत एवं यांत्रिकी नगर पालिका परिषद, खरगोन

(कमला कौल) मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद, खरगोन

आयोजन गुरु दर्शन के लिए उमड़ा जनसैलाब

2000 से अधिक श्रद्धालुओं ने सुना गौतम रास

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

इंदौर। एयरपोर्ट रोड स्थित श्री केसरी वाटिका में आयोजित द्विशताब्दी गुरुराज स्पर्श चातुर्मास के अंतर्गत नववर्ष का शुभारंभ धर्म, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ हुआ। गच्छाधिपति पूज्य श्रीमद् विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी महाराज साहब के श्रीमुख से गौतम रास का श्रवण करने के लिए 2000 से अधिक श्रद्धालु उपस्थित हुए। गुरुदेव के मंगल आशीर्वाद एवं वासक्षेप प्राप्त करने के लिए सुबह से ही गुरु भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। गुजरात सहित विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर दर्शन-वंदन का लाभ लिया।

गच्छाधिपति पूज्य श्रीमद् विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी



महाराज साहब ने गौतम स्वामी के केवलज्ञान प्राप्ति के प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए बताया कि भगवान महावीर के निर्वाण के पश्चात गौतम स्वामी अत्यंत व्याकुल हो गए थे।

वास्तविक सुख बाहरी संपत्ति, पद, प्रतिष्ठा में नहीं

परम पूज्य विद्वदरत्न विजयजी म.सा. ने धर्मोपदेश में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति सुख चाहता है, लेकिन वास्तविक सुख बाहरी संपत्ति, पद और प्रतिष्ठा में नहीं, बल्कि आत्मा की जागृति में है। गौतम स्वामी जैसे महान विद्वान ने भी भगवान महावीर की शरण में आकर अपने जीवन को समर्पण और सरलता से परिवर्तित किया। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष गौतम रास सुनना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके भावों को अपने जीवन में उतारना आवश्यक है। राग और प्रेम का अंतर समझाते हुए उन्होंने गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा, समर्पण, और आत्मचिंतन को जीवन का आधार बनाने की प्रेरणा दी।

द्वारोद्घाटन के पश्चात गौतम स्वामी की आरती

मीडिया समन्वयक राजेश जैन युवा ने बताया कि नववर्ष के पावन अवसर पर प्रातः 5 बजे मंदिर के द्वारोद्घाटन के पश्चात गौतम स्वामी की आरती की गई, जिसके लाभार्थी शांतिलाली, गजेंद्रकुमार एवं अनिल कुमार सकलेचा रहे। इसके पश्चात चैत्यवंदन हुआ। भगवान को निर्वाण लाडू चढ़ाया गया, जिसके लाभार्थी प्रभात एवं कुलदीप घंटाघर वाले रहे। गौतम स्वामी के निर्वाण लाडू के लाभार्थी विजय एवं जयेश पीपाड़ा रहे। दादा गुरुदेव विजय राजेंद्रसूरीश्वर म.सा. के निर्वाण लाडू का लाभ पारसमल एवं तेजकुमार बम्बोरिया ने लिया। पुण्य सम्राट के निर्वाण लाडू के लाभार्थी बाबूलाल एवं केशरीमल जैन मामा रहे। समस्त श्रद्धालुओं के लिए नवकारसी का आयोजन दीपककुमार एवं तेजकरण सगरावत की ओर से किया गया। दादा गुरुदेव की आरती प्रितेश (गोलू) सकलेचा एवं अमित संघवी ने उतारी, जबकि पुण्य सम्राट की आरती राकेशजी एवं संगीता बोहरा ने की। इसके पश्चात गच्छाधिपति पूज्यश्री ने गौतम रास का वाचन किया। मुनि विद्वदरत्न विजयजी म.सा. ने धर्मसभा को संबोधित किया तथा मुनिराज प्रशमसेन विजयजी म.सा. ने अपनी सुमधुर वाणी में गौतम स्वामी का विलाप सुनाकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

पारदर्शी और स्थायी नीति बनाने की मांग

तबादलों पर पटवारी का सीएम पर हमला

मृदुभाषी। भोपाल



मध्य प्रदेश में अधिकारियों के लगातार हो रहे तबादलों को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर सीधा और तीखा हमला बोला है। पटवारी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर प्रदेश में तबादलों के लिए एक पारदर्शी और स्थायी नीति बनाने की पुरजोर मांग की है। पूर्ववर्ती शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल के कथित 'तबादला उद्योग' का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया है कि मौजूदा सरकार के राज में यह व्यवस्था अब एक 'तबादला फैक्ट्री' में तब्दील हो चुकी है, जिससे प्रशासनिक अमले में असमंजस अस्थिरता का माहौल बन रहा है।

अपने पत्र में जीतू पटवारी ने सुझाव दिया है कि कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और महत्वपूर्ण विभागों में पदस्थ आईएएस-आईपीएस अधिकारियों का सामान्य परिस्थितियों में कम से कम दो साल का निश्चित कार्यकाल पूरी ईमानदारी से सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की है कि यदि किसी अधिकारी का समय से पहले तबादला किया जाता है, तो उसका ठोस और स्पष्ट लिखित कारण सार्वजनिक किया जाना चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित हो कि राजनीतिक असहमति, जनप्रतिनिधियों की नाराजगी या फिर सत्ता व संगठन के किसी भी प्रकार के दबाव को तबादले का मुख्य आधार बिल्कुल न बनाया जाए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने राज्य सरकार से यह भी मांग की है कि अधिकारियों के तबादलों, उनके कार्यकाल और समय से पहले होने वाले स्थानांतरण के तमाम कारणों को लेकर हर साल एक आधिकारिक श्वेतपत्र (White Paper) जारी किया जाए। इसके अलावा, बार-बार होने वाले तबादलों से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले जिलों और विभागों की प्रशासनिक कार्यक्षमता का एक स्वतंत्र मूल्यांकन कराए जाने का भी सुझाव दिया गया है।

ईंटखेड़ी में 4 से 7 दिसंबर तक होगा 79वां आलमी तब्लीगी इज्तिमा, दुकानों के आवंटन में नहीं होगी धर्म की कोई बंदिश

मृदुभाषी। भोपाल

भोपाल के ईंटखेड़ी में आगामी 4 से 7 दिसंबर तक आयोजित होने वाले 79वें आलमी तब्लीगी इज्तिमा को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं।

इस बार आयोजन में लगने वाली अस्थाई दुकानों के आवंटन को लेकर समिति ने एक बड़ा और सराहनीय फैसला लिया है। आयोजन समिति ने स्पष्ट किया है कि इज्तिमा परिसर में दुकानें लगाने के लिए इस बार किसी भी प्रकार की धार्मिक बंदिश नहीं होगी, यानी सभी धर्मों के इच्छुक लोग आवेदन कर सकेंगे। परिसर में देश के अलग-अलग हिस्सों से पहुंचने वाले लाखों जायरीनों की सुविधा के लिए खाने-पीने और जरूरत के सामान की दुकानें लगाई जाती हैं, जिन्हें पूरी तरह पारदर्शी बनाने के लिए लॉटरी सिस्टम के जरिए आवंटित किया जाएगा। दुकान लगाने के इच्छुक व्यापारी 14 और 15 नवंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक ईंटखेड़ी स्थित इज्तिमा परिसर में जाकर अपने आवेदन जमा कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया के तहत पहचान के लिए संबंधित दस्तावेज और तीन पासपोर्ट साइज फोटो देना अनिवार्य किया गया है। समिति ने चेतावनी दी है कि तय तारीखों के बाद किसी भी स्थिति में आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे और आवंटन पूरी तरह निष्पक्ष रूप से लॉटरी के माध्यम से होगा, ताकि किसी भी प्रकार की सिफारिश की गुंजाइश न रहे। इसके साथ ही आयोजन समिति ने आम जनता से अपील की है कि इज्तिमा के नाम पर किसी भी तरह का चंदा नहीं वसूला जाता है, इसलिए यदि कोई व्यक्ति पैसे मांगे तो उसे राशि न दें और तुरंत समिति को सूचना दें। इज्तिमा स्थल पर पंडाल, पेयजल, बिजली, शौचालय और यातायात जैसी तमाम व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है, और अधिक जानकारी के लिए समिति के जारी मोबाइल नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है।



उज्जैन में सिंहस्थ 2028 की तैयारियां जोरों पर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बोले- प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में देश में आया बदलाव

मृदुभाषी। भोपाल



मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार शाम वाराणसी में आयोजित अखिल भारतीय गोवर्धन पूजा उत्सव को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी कार्यकाल में भारत का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है, जिसकी गवाही देश और दुनिया दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि के परिणामस्वरूप ही काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और बाबा महाकाल महालोक का निर्माण संभव हो पाया है। वर्ष 2022 के बाद उज्जैन सहित देशभर में तीर्थ क्षेत्रों के विकास और धार्मिक पर्यटन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। राज्य सरकार प्राचीन सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ प्रदेश के टियर-2 शहरों में अधोसंरचना विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

भगवान श्रीकृष्ण के जीवन पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे लोकतंत्र के महान नायक थे जिन्होंने जीवनभर कभी सत्ताधीश बनने का कार्य नहीं किया, बल्कि हमेशा धर्म और सत्य के मार्ग पर चलकर अन्याय के विरुद्ध विजय प्राप्त की। उन्होंने संपूर्ण विश्व को साहस और मुस्कुराकर जीने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि जैसे प्रभु श्रीराम अयोध्या में अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं, वैसे ही बहुत जल्द गोपाल कृष्ण भी मथुरा में मुस्कुराएंगे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने समाज की विभिन्न प्रतिभाओं का सम्मान किया और काशी के प्रसिद्ध गोवर्धन नाथ मंदिर में दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। वाराणसी के दौरे से इतर उज्जैन में चल रहे विकास कार्यों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ 2028 के भव्य और दिव्य आयोजन की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। सिंहस्थ कुंभ 12 वर्ष में एक बार आता है और शहर के विकास के लिए आज उज्जैन में 1200 करोड़ रुपए से अधिक के नए विकास और जीर्णोद्धार कार्यों का भूमि-पूजन किया गया है। इसमें शिप्रा नदी के तट पर स्थित प्रसिद्ध अंगारेश्वर महादेव मंदिर और उत्तर भारत के प्रमुख शक्तिपीठ गढ़कालिका माता का तीर्थ क्षेत्र भी शामिल है। भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली सांदीपनि आश्रम के कारण उज्जैन का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व और अधिक बढ़ जाता है। सिंहस्थ मेला क्षेत्र में नई सड़कों और सीवर लाइन के विस्तार का कार्य तेजी से जारी है। मुख्यमंत्री ने नागरिकों के कल्याण के लिए बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि उज्जैन में 17 नवंबर को बहुप्रतीक्षित चिड़ियाघर और रेस्क्यू सेंटर का भूमि-पूजन किया जाएगा। सड़कों के चौड़ीकरण के लिए स्वेच्छा से अपने मकान छोड़ने वाले परिवारों को मल्टीस्टोरी बिल्डिंग में निःशुल्क आवास उपलब्ध कराए जाएंगे। इसी प्रकार जिन दुकानदारों की दुकानें प्रभावित हुई हैं, उन्हें उज्जैन में खाली जमीन पर आधुनिक मार्केट विकसित कर नई दुकानें दी जाएंगी। सिंहस्थ मेला क्षेत्र में सड़क निर्माण के लिए किसानों को उनकी जमीन अधिग्रहण का चार गुना मुआवजा प्रदान किया गया है। इस अवसर पर विभिन्न जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

प्रदेश में हाईटेक गौशालाओं का निर्माण और गोवर्धन पूजा का आयोजन

गौवंश संरक्षण पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश में कांजी हाउस के स्थान पर 10 हजार गायों की देखभाल के लिए आधुनिक हाईटेक गौशालाओं का निर्माण कराया जा रहा है। दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए सुनियोजित योजनाएं लागू की गई हैं और पशुपालकों को गौपालन के लिए आर्थिक सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्यभर में वृहद स्तर पर गोवर्धन पूजा के कार्यक्रम आयोजित हुए हैं, जहां समाज और सरकार ने मिलकर प्रकृति के पूजन के इस पर्व को पूरी भव्यता के साथ मनाया है। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह, पारंपरिक पगड़ी और गजमाला भेंट कर सम्मानित किया।

सीहोर के कुबेरेश्वरधाम में भव्य दीपोत्सव और खजाना पूजन



मृदुभाषी। सीहोर

दीपों की जगमगाती रोशनी, भक्ति में डूबे श्रद्धालु और मंदिर परिसर में गूंजते जयकारों के बीच दीपावली के पावन अवसर पर सीहोर के चितावलिया हेमा स्थित प्रसिद्ध कुबेरेश्वरधाम में भव्य दीपोत्सव मनाया गया, जिसके दौरान धाम में श्रद्धा और भक्ति का विशेष माहौल देखने को मिला। अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के सानिध्य में आयोजित इन अनुष्ठानों के तहत हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा कुबेर भंडारी के समक्ष विशेष खजाना पूजन किया और प्रसाद स्वरूप खजाना प्राप्त कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। कुबेरेश्वरधाम में लगातार पांच दिनों तक विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए, जिनमें पूरा धाम रंग-बिरंगी रोशनी, विद्युत झालरों और आकर्षक सजावट से जगमगाता रहा। विठलेश सेवा समिति की ओर से पंडित विनय मिश्रा, पंडित समीर शुक्ला सहित अन्य सदस्यों ने श्रद्धालुओं को खजाना वितरित किया, जिसे भक्तों ने बाबा का आशीर्वाद मानते हुए श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया। इस पावन अवसर पर पंडित प्रदीप मिश्रा ने गोवर्धन पूजा के धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व प्रकृति और समस्त जीव-जंतुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक महान अवसर है, और भगवान श्रीकृष्ण ने भी हमेशा प्रकृति, गौवंश तथा जीवमात्र के सम्मान का संदेश दिया है।

पर्यावरण संरक्षण के कार्यों से बढ़ाएंगी देश का मान

COP31 में भारत की आवाज़ बनेंगी भोपाल की डॉ. साक्षी भारद्वाज

मृदुभाषी। उज्जैन



मध्यप्रदेश की युवा पर्यावरणविद् और 'जंगलवास' की संस्थापक डॉ. साक्षी भारद्वाज संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP31) में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही हैं। तुर्की के अंताल्या में 9 से 20 नवंबर 2026 तक आयोजित होने वाले इस वैश्विक सम्मेलन में भाग लेने के लिए वे मंगलवार को भारत से रवाना हो गईं। इससे पूर्व वे अज़रबैजान के बाकू में आयोजित COP29 में भी देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। प्रमुख शिक्षाविद स्वर्गीय डॉ. रामदेव भारद्वाज की पुत्री डॉ. साक्षी माइक्रोबायोलॉजी की वैज्ञानिक पृष्ठभूमि को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए अनूठे कार्य कर रही हैं। वे सम्मेलन में जैव विविधता, माइक्रोफॉरेस्ट्री, ग्लोबल वार्मिंग, एग्री वोल्टाइक फार्मिंग और 'जंगलवास' के माध्यम से नारियल के खोल जैसे अपशिष्टों के पुनः उपयोग पर भारत के विचार रखेंगी। ज्ञात हो कि संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन के तहत आयोजित होने वाला यह वार्षिक शिखर सम्मेलन सरकारों, वैज्ञानिकों और युवा नेताओं को एक मंच पर लाता है। COP31 का मुख्य उद्देश्य जलवायु प्रतिबद्धताओं को जमीनी कार्रवाई, जवाबदेही और सहयोगात्मक समाधानों में बदलना है। इस प्रतिष्ठित मंच पर डॉ. साक्षी की यह भागीदारी न केवल देश के युवाओं के लिए प्रेरणा है, बल्कि मध्यप्रदेश के लिए भी अत्यंत गौरव का विषय है।



गायक दिलजीत दोसांझ का ऐलान

इंदौर आऊंगा और सबसे पहले पोहा खाऊंगा...



इंदौर। चर्चित पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के आगामी 15 नवंबर को इंदौर के सी-21 मॉल में होने वाले कॉन्सर्ट से ठीक पहले सुरक्षा और विवादों को लेकर सरगर्मी काफी बढ़ गई है। एक तरफ जहां चार गानों पर रोक लगा दी गई है, वहीं दूसरी तरफ 'खालिस्तानी नेशनल आर्मी' के नाम से ईमेल भेजकर इस कॉन्सर्ट को बम से उड़ाने की लगातार धमकियां मिल रही हैं। इन तमाम धमकियों और धड़काव भरे संदेशों के बीच गायक दिलजीत दोसांझ ने सोशल मीडिया पर इंदौर के प्रसिद्ध 56 दुकान की पुरानी तस्वीरें शेयर करते हुए एक पोस्ट साझा की है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि वे इंदौर जरूर आएंगे और सबसे पहले पोहा खाएंगे। कॉन्सर्ट में अब केवल 5 दिन ही शेष बचे हैं, जिसे लेकर प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क हो गया है। शहर के तीन प्रतिष्ठित निजी स्कूलों, महापौर कार्यालय और यहां तक कि ग्वालियर हाईकोर्ट की आधिकारिक ईमेल आईडी पर भी धमकी भरे संदेश भेजे जा चुके हैं, जिनमें अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपने बच्चों को इस शो में बिल्कुल न भेजें। इन संदेशों में कॉन्सर्ट स्थल और उसके मंच को बम तथा आईईडी से उड़ाने की गंभीर चेतावनी दी गई है। इससे पहले 2 नवंबर को भी महापौर कार्यालय और स्कूलों को इसी तरह के मेल मिले थे।

इंदौर के बाद अब देपालपुर भी गाड़ेगा सफलता के झंडे

दिल्ली समारोह में मिला विशेष आमंत्रण

मृदुभाषी। इंदौर



स्वच्छता के राष्ट्रीय मानचित्र पर देश का सिर हमेशा फक्र से ऊंचा करने वाले इंदौर की सफलता का डंका अब उसके ग्रामीण अंचल में भी जोर-शोर से बजने लगा है। स्वच्छता सर्वेक्षण और रैंकिंग में लगातार नंबर वन का ताज अपने नाम करने वाले इंदौर के साथ-साथ इस बार उसके अंतर्गत आने वाले देपालपुर नगर को भी दिल्ली में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह के लिए आधिकारिक निमंत्रण मिला है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि अब इंदौरी तर्ज पर ग्रामीण और उपनगरीय क्षेत्र भी स्वच्छता के मामले में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। पिछले वर्ष स्वच्छता प्रीमियर लीग के दौरान देपालपुर की रैंकिंग 1710वीं थी, लेकिन इस बार बेहतरीन प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जनसहयोग के दम पर इसके देश के टॉप थ्री शहरों में शुमार होने की प्रबल संभावना जताई जा रही है।

स्वच्छता प्रीमियर लीग के पिछले संस्करण में देश के अलग-अलग हिस्सों के शहरों की जोड़ियां बनाई गई थीं, जिसके तहत इंदौर के साथ देपालपुर को जोड़ा गया था। इस लीग में कुल सात शहरों की जोड़ियां शामिल थीं। इस बार की प्रतियोगिता और पुरस्कार वितरण को लेकर केंद्रीय स्तर पर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। दिल्ली से प्राप्त हुए इस विशेष निमंत्रण को लेकर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'सबका साथ, सबका विकास' की अवधारणा पर चलते हुए आज स्वच्छता एक जनआंदोलन बन चुकी है। इंदौर की स्वच्छता को जब शहरवासियों का अटूट साथ मिला, तो वह देश भर में नंबर वन बन गया। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छता मिशन को इंदौर ने पूरी तरह आत्मसात किया।

21 नवंबर से शुरू होगा प्रसिद्ध गधा मेला

उज्जैन में 100 साल पुरानी परंपरा: सलमान-शाहरुख और पुष्पा नाम वाले गधे भी बनेंगे आकर्षण का केंद्र



मृदुभाषी। उज्जैन

दीपावली की रौनक अभी थमी भी नहीं है कि धार्मिक नगरी उज्जैन एक और अनूठे और पारंपरिक मेले के लिए पूरी तरह तैयार हो गया है। क्षिप्रा नदी के तट पर कार्तिक मेला ग्राउंड, बड़नगर रोड पर लगने वाला यह करीब 100 साल पुराना मेला इस बार आगामी 21 नवंबर से शुरू होगा और कार्तिक पूर्णिमा यानी 24 नवंबर तक चलेगा। हालांकि, बड़नगर रोड पर पर्याप्त जगह न होने के कारण व्यापारियों ने फिलहाल अपने पशुओं को नृसिंह घाट ब्रिज के सामने मालियों के बगीचे में किराये पर जगह लेकर रखा है।

इस मेले की सबसे अनूठी और दिलचस्प बात यहां आने वाले गधों, खच्चरों और घोड़ों के फिल्मी व चर्चित नाम हैं। व्यापारियों द्वारा इन पशुओं के नाम सलमान, शाहरुख, आलिया, रणबीर, ऐश्वर्या, दीपिका, पुष्पा, तेजस्वी और ओवैसी जैसे सितारों और हस्तियों के नाम पर रखे जाते हैं, जिससे खरीदार खासे आकर्षित होते हैं और कई बार इनके अच्छे दाम भी मिल जाते हैं। मेले में आने वाले लोग इन पशुओं को बड़े प्यार से गुलाबजामुन भी खिलाते हैं। व्यापारियों के अनुसार, मेले में गधों की कीमत उनके दांत और कद-काठी को देखकर तय की जाती है। सामान्य तौर पर इनकी कीमत 4 हजार से 15 हजार रुपये तक होती है, जबकि अच्छी नस्ल के पशु 2 हजार से 20 हजार रुपये तक में बिकते हैं। इनमें सबसे अधिक कीमत खच्चरों की होती है, क्योंकि वे हर मौसम में कम चारा खाकर भी अधिक वजन उठाने की क्षमता रखते हैं। देशभर में गधों के इस तरह के केवल तीन ही प्रमुख मेले लगते हैं, जिनमें राजस्थान के जयपुर स्थित लूणियावास, मध्य प्रदेश के सतना जिले का चित्रकूट और उज्जैन शामिल हैं। इस प्रकार मध्य प्रदेश में उज्जैन एकमात्र ऐसी जगह है जहाँ यह पारंपरिक आयोजन होता है। इस 100 साल पुरानी परंपरा के इतिहास की बात करें तो मानसून समाप्त होने के बाद प्रजापति समाज के लोग ईंट-भट्टों और बर्तन निर्माण का कार्य शुरू करते थे, जिसमें पशुओं की विशेष आवश्यकता होती थी। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए कार्तिक महीने में पशुओं की खरीद-बिक्री की इस परंपरा की शुरुआत हुई थी। हालांकि, आधुनिक मशीनों और ट्रैक्टर-ट्रालियों के बढ़ते इस्तेमाल के चलते अब मेले में पहुंचने वाले पशुओं की संख्या घटकर 300 से 400 के करीब रह गई है, लेकिन इसके बावजूद देश के विभिन्न राज्यों से व्यापारी अपने गधे, खच्चर और घोड़े लेकर उज्जैन पहुंच रहे हैं।

सम्पादकीय

घटिया सामान बेचना जनस्वास्थ्य के प्रति अपराध

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा त्योहारी सीजन में मिलावटी खाद्य-डेयरी उत्पादों की गुणवत्ता जांच-पड़ताल के लिये राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया गया। इस देशव्यापी मुहिम में करीब 3,280 टन खाद्य उत्पाद जब्त किए गए। जिसकी अनुमानित कीमत 81.8 करोड़ रुपये बतायी जाती है। ये अभियान गत एक सितंबर से पांच नवंबर के बीच चलाया गया। नियामक संस्था ने 56,000 अधिक प्रतिष्ठानों की जांच पड़ताल की। इस दौरान खाद्य पदार्थों के 43,939 नमूने भरे गए। दस हजार कारोबारियों को स्थिति में सुधारों के लिये नोटिस जारी किए गए। करीब 1,133 लोगों के लाइसेंस निलंबित किए गए। कुल 52 लोगों के लाइसेंस रद्द किए गए। साथ ही 410 के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। भारत जैसे विशाल देश में ये बरामदगी मिलावट के समुद्र में एक टापू जितनी है। ये आंकड़े बताते हैं कि स्थिति बेहद जटिल है और रोकने के प्रयास कितने कम। सवाल ये भी है कि ये कार्रवाई त्योहारी सीजन में ही क्यों? क्यों यह एक्शन साल भर नहीं चलना चाहिए? दोषी पाये जाने पर सख्त सजा का प्रावधान क्यों नहीं है? अक्सर लाइसेंस के निलंबन या रद्द करने के बाद आरोपी लोग दूसरे संस्थान व परिवार के अन्य सदस्य के नाम से संस्थान खोलकर फिर मिलावट के खेल में लग जाते हैं। वहीं दूसरी ओर, ये नतीजे पंजाब और हरियाणा के लिये भी बेहद चिंताजनक हैं, जहां खाद्य पदार्थों में मिलावट के कारण इस क्षेत्र की बड़ी डेयरी अर्थव्यवस्था में उपभोक्ताओं का भरोसा डिग रहा है। इसका खमियाजा उन निर्दोष लोगों को भुगतना पड़ता है, जो नहीं जानते कि वे एक धीमा जहर खरीद रहे हैं।

पंजाब में दूध व डेयरी उत्पादों के नमूनों में भारी कमियां पाई गई हैं। हरियाणा में करीब पचास हजार किलोग्राम मिलावटी मिठाइयां और पनीर नष्ट किया गया है। नूंह में मिलावटी व हानिकारक पनीर की बरामदगी चिंता बढ़ाने वाली है। जो बताता है कि मुनाफा कमाने के लिये कुछ लोग किस हद तक गिर सकते हैं। निस्संदेह, ऐसी कार्रवाई को त्योहारी सीजन तक या फिर लोगों की शिकायत करने तक ही सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। सही मायने में दूध व उससे बने उत्पादों, खाद्य तेल, मसालों और पैकेटबंद खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता की जांच के लिये सालभर अभियान चलाये जाने चाहिए। साथ ही राज्यों में खाद्य सुरक्षा से जुड़े विभागों को बेहतर सुविधा वाली आधुनिक प्रयोगशालाएं उपलब्ध करायी जानी चाहिए। जांच-पड़ताल के लिए पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की नियुक्तियां हों, उनके कानूनी अधिकार बढ़ाए जाएं तथा जांच के बाद तय समय-सीमा के भीतर कानूनी कार्रवाई करना सुनिश्चित किया जाए। रडार पर वे लोग रहें जो ऐसे अपराध बार-बार करते हैं। इसके अलावा संबंधित विभागों द्वारा की जाने वाली कार्रवाई में जो सैंपल फेल हुए, जिन प्रतिष्ठानों ने मिलावट की और जिनके खिलाफ कार्रवाई हुई, उस जानकारी को उपभोक्ताओं के हित में सार्वजनिक किया जाना चाहिए। निस्संदेह, ये घटिया काम जनस्वास्थ्य से अक्षम्य खिलवाड़ हैं, दोषियों को गंभीर अपराध जैसा दंड भी मिलना चाहिए। जब हम भारत को वैश्विक खाद्य-प्रसंस्करण केंद्र बनाने के सपने देखते हैं तो खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के मानक भी भरोसेमंद होने चाहिए। साथ ही मानकों को सख्ती से लागू भी किया जाना चाहिए। सरकारों व नियामक संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उपभोक्ता की थाली में जो भी खाना पहुंचे, वह सुरक्षित हो।

लोकतंत्र की खूबसूरती में जनमत का महत्व

ज्योति मल्होत्रा

अमेरिका में हुए मध्यकालीन चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार और डेमोक्रेट पार्टी की जीत की कहानी से सीख यह नहीं है कि डोनाल्ड ट्रंप अब और ज़्यादा कमज़ोर हो गए (हालांकि वे हो गए हैं), या यह कि इसका असर अमेरिका की विदेश नीति में परिलक्षित होगा (कि वे अधिक बदलाखोर बनेंगे या कम नर्म), और न ही कि यह चुनावी परिणाम वैश्विक पटल पर तीसरी उम्मीद की सुनहरी किरण बनेगा—ब्राज़ील में फ्लेवियो बोल्सोनारो और इस्राइल में बेंजामिन नेतन्याहू की हार के बाद। सीख यह है कि शर्मिंदा हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने परिणाम के कुछ ही घंटों बाद अमेरिकी पत्रकार दाशा बर्न्स की अप्रत्याशित फोन कॉल उठाई और उनसे कहा कि वह अपने शेष दो साल डेमोक्रेट्स के हर काम को 'वीटो' करने में बिताने का इरादा नहीं रखते।

यहां पर दो संदेश हैं। पहला, कि अपने घमंड के बावजूद, ट्रंप ने रिपब्लिकन की करारी हार को स्वीकार लिया है, वे अपने विपक्ष के साथ समझौतावादी रुख रखना चाहते हैं और मार-ए-लागो में या व्हाइट हाउस में अपने आलीशान बेडरूम में निराशा में नहीं डूबना चाहेंगे। और दूसरा, कि अमेरिकी मीडिया ने इस बढ़ती निराशा की खबरें ठोककर लगाईं और राष्ट्रपति के युद्ध-समर्थक और विज्ञान-विरोधी बेवकूफ़ाना रुझान के खिलाफ़ डटकर रुख अपनाया, चाहे फिर उस पर कितना भी दबाव क्यों न आया हो।

अब अपनी विचारधारा के मुताबिक, आप या तो ट्रंप की तारीफ़ कर सकते हैं या उनकी आलोचना, लेकिन इस बात से इंकार नहीं कर सकते कि अमेरिका में लोकतंत्र की खूबसूरती बखूबी काम करती है। कुछ लोग तो यह भी पूछ सकते हैं कि क्या वैश्विक दक्षिणपंथी खेमा आखिरकार रक्षात्मक हो गया है, पेरिस, मिलान और दिल्ली में छात्र प्रदर्शनों के बाद—अच्छी



बात यह है कि पेरिस और मिलान के उलट, दिल्ली के प्रदर्शन अधिकांशतः अहिंसावादी रहे हैं। यहां, अपने देश में भी, पिछले सप्ताह भाजपा नेता मनप्रीत बादल की बेटी और वयोवृद्ध कांग्रेस नेता कर्ण सिंह के पोते की शादी के जश्न समारोह में लोकतंत्र की खूबसूरती देखने को मिली –सिख और हिंदू धर्मों का मेल, जो पंजाब की संस्कृति का अहम हिस्सा है– और उम्मीद है कि शादी के बंधन में बंधे ये दोनों नौजवान सदा खुशी-खुशी रहें।

साफ़ है, उस शाम की दृश्यावली में पंजाब ही छाया था और केंद्र में था–तस्वीरें, हमेशा की तरह, हज़ारों शब्दों की कहानी पढ़ने से अधिक बता रही थीं। जरीदार लिबास और कलगी की शान वाले दृश्य के बीच, आपको पुनः यह सुनिश्चित करने के लिए संविधान की ज़रूरत नहीं कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रधानमंत्री मोदी थे, जोकि अचकन और क्रीम रंग का कुर्ता और मैचिंग नेहरू जैकेट पहने हुए थे। एक पूर्व आरएसएस प्रचारक, जिन्होंने 1980 के दशक में पंजाब और हरियाणा में काम किया, एक बार फिर से भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के बीच संभावित गठबंधन बनाने में अग्रसर हैं, जो छह साल पहले इसलिए टूट गया था क्योंकि उनकी सरकार ने साझीदार अकाली दल को भरोसे में लिए बिना तीन कृषि कानून लागू कर दिए थे। मार्च माह में ही, गृहमंत्री अमित शाह ने मोगा में हुई एक रैली में ऐलान किया था कि भाजपा आईंदा अकाली दल का 'छोटा भाई' बनने को तैयार नहीं है। लेकिन लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि यह लोगों को जमीनी हकीकत मानने को मजबूर कर देती है, न सिर्फ़ अमेरिका में बल्कि पंजाब में भी। हो सकता है, सितंबर के आखिर में जालंधर में शाह की रैली में खाली कुर्सियों ने ही भाजपा के शीर्ष नेताओं का ध्यान इस ओर केंद्रित करने में सहायक बना। जो भी हो, बतौर संभावित भागीदार, भाजपा और अकाली दल, दोनों को अच्छी तरह पता है कि अगर वे साथ नहीं आए, तो वे पक्का अलग-अलग होकर बिखर जाएंगे। मतलब, अगर वे अपना पुराना गठबंधन पुनः बना लेते हैं, तब तो पंजाब के चुनावी समर में उनका वजूद है। अगर नहीं, तो वे कहीं के नहीं रहेंगे। इस बीच दिल्ली में, भाजपा की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता राजधानी के अभूतपूर्व वायु प्रदूषण की आपातकालीन स्थिति से जूझने में हांफती बताई जा रही हैं। उत्तर प्रदेश में, जहां पंजाब के साथ ही चुनाव होने हैं, 'महंगाई', या खाने-पीने की चीज़ों की बढ़ती कीमतें (खाद्य पदार्थों की महंगाई साल-दर-साल 7.7 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिसमें प्याज की कीमतें 108 फीसदी, अदरक की 62.9 और लहसुन की 54.6 प्रतिशत बढ़ गई हैं) चर्चा का बड़ा मुद्दा बन रही हैं। भाजपा के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस बारे चेताया जा रहा है, और उत्तराखंड के पुष्कर सिंह धामी को भी -यह बिल्कुल साफ है।

धर्म-ज्योतिष

Bhai Dooj पर पूजा की थाली में सजाएं ये 11 चीजें

दिवाली के त्योहार के बाद भाई-बहन स्नेह प्रतीक भाई दूज का पर्व मनाया जाता है। भाई दूज को यम द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, यह त्योहार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। भाई दूज पर बहनें अपने भाई के माथे पर तिलक लगाती है और उसकी लंबी आयु, निरोगी जीवन और तरक्की की प्रार्थना करती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, विधिपूर्वक पूजा करने से भाई को यमराज के भय से सुरक्षा प्राप्त होती है। इस साल यह पर्व 11 नवंबर, बुधवार को मनाया जा रहा है। इस खास पर्व पर पूजा की थाली सजाने का विशेष महत्व होता है। अब बहनों को यह जानना बेहद जरुरी है कि तिलक और आरती के लिए किन चीजों की आवश्यकता है। आइए आपको बताते हैं भाई दूज का शुभ मुहूर्त, पूजा सामग्री और तिलक करने का सही तरीका। रोली और कुमकुम- भाई दूज के अवसर पर भाई के माथे पर मंगल तिलक करने के लिए रोली और कुमकुम का इस्तेमाल किया जाता है।



समसामयिक

न्यायिक जीत को आर्थिक ताकत में बदलने की चुनौती

हिमाचल प्रदेश ने अपनी जमीन, जल और प्राकृतिक संसाधन देकर देश की बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में योगदान दिया, लेकिन उनके लाभ से लंबे समय तक वंचित रहा। पड़ोसी राज्यों को बिजली मिलती रही, जबकि हिमाचल अपने वैधानिक हिस्से की प्रतीक्षा करता रहा। सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले ने छह दशक पुराने इस विवाद के समाधान का रास्ता खोलते हुए बिजली के अधिकार को समयबद्ध आपूर्ति की व्यवस्था में बदल दिया है।

हिमाचल सरकार का दावा है कि किशाऊ बहुउद्देशीय बांध समझौते पर अपनी सहमति को हरियाणा द्वारा सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर बीबीएमबी की बकाया बिजली के हिस्से के निपटारे पर आपत्ति न जताने से जोड़ दिया था। किशाऊ परियोजना से मिलने वाले अतिरिक्त पानी में हरियाणा की रुचि को रणनीतिक आधार बनाकर गतिरोध तोड़ने की कोशिश की गई। हिमाचल सरकार के हस्तक्षेप से समाधान की प्रक्रिया आगे बढ़ी हो सकती है, लेकिन इससे



वह अधिकार पैदा नहीं हुआ, जिसे 2011 में ही न्यायिक मान्यता मिल चुकी थी।

पूर्व मुख्यमंत्री, प्रेम कुमार धूमल ने इस मामले में आपत्ति जताते हुए कहा कि हिमाचल के अधिकारों के लिए भाजपा का योगदान 1990 में शांता कुमार सरकार के समय से शुरू हुआ था। वर्ष 1996 में वीरभद्र सिंह सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किए जाने के बाद 1998 में सत्ता में आई उनकी पहली सरकार ने इस मामले की पैरवी को और मजबूत किया। 2007 में दोबारा सत्ता में आने के बाद भाजपा सरकार ने इसे आगे बढ़ाया और 2011 का फैसला उनके कार्यकाल में आया। हालांकि, धूमल कांग्रेस सरकारों के योगदान को भी स्वीकार करते हुए कहते हैं कि इसका असली श्रेय हिमाचल की जनता को मिलना चाहिए।

इस विवाद की जड़ें भाखड़ा-नंगल और ब्यास परियोजनाओं में हैं, जिनकी परिकल्पना अविभाजित पंजाब के समय की गई थी। भाखड़ा बांध के निर्माण से तत्कालीन बिलासपुर रियासत के बड़े भूभाग जलमग्न हुए, जबकि ब्यास परियोजनाओं के कारण कांगड़ा के लोगों को विस्थापन झेलना पड़ा। पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के तहत पहाड़ी क्षेत्र हिमाचल प्रदेश में शामिल किए गए। इसके बाद बिजली के हिस्से और देनदारियों को लेकर विवाद खड़ा हुआ। हिमाचल ने अपने क्षेत्रीय और जनसंख्या संबंधी योगदान के आधार पर बीबीएमबी की बिजली में 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी का दावा किया। पंजाब और हरियाणा को उनके हिस्से मिलते रहे, जबकि हिमाचल को रियायती दर पर सीमित बिजली आवंटित की जाती रही।

व्यापार

धनतेरस पर फीका रहा सर्राफा बाजार का चमक-दमक

ऊंचे दामों और सुस्त मांग के चलते सोने के भाव में ढाई हजार की बड़ी गिरावट

मृदुभाषी। नई दिल्ली

धनतेरस के पावन अवसर पर जहां पारंपरिक रूप से आभूषणों और धातुओं की जमकर खरीदारी होती है, वहीं इस बार राष्ट्रीय राजधानी में सर्राफा बाजार का रुख नरम दिखाई दिया। ऊंची कीमतों और अनिश्चितता के कारण खरीदारों की सतर्कता के बीच शुक्रवार को दिल्ली के हाजिर बाजार में सुस्त मांग के चलते सोने के भाव में 2,500 प्रति 10 ग्राम की बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार धनतेरस का दिन देवी लक्ष्मी, भगवान कुबेर और भगवान धन्वंतरि से जुड़ा हुआ है और इसे नई खरीदारी के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। इसके बावजूद, कीमतों के ऊंचे स्तर पर बने रहने के कारण बाजार में त्योहारी उत्साह



पूरी तरह नहीं दिख सका। ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 2,500 गिरकर 1,46,300 प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि गुरुवार को यह 1,48,800 प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। केवल सोना ही नहीं, बल्कि चांदी की कीमतों में भी भारी गिरावट देखी गई और चांदी की दरें 2,000 टूटकर 1,92,500 प्रति किलोग्राम पर बंद हुईं। व्यापारियों के अनुसार धनतेरस होने के बावजूद मांग सुस्त रही और ग्राहकों ने भारी आभूषणों के बजाय हल्के वजन वाले आभूषणों को प्राथमिकता दी। अगर पिछले साल से तुलना की जाए तो 18 अक्तूबर 2025 को सोना 1,32,400 प्रति 10 ग्राम और चांदी 1,70,000 प्रति किलोग्राम थी, जिससे इस साल कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि साफ नजर आती है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के मुताबिक सितंबर तिमाही में सोने के आभूषणों की मांग में वॉल्यूम के संदर्भ में 20 प्रतिशत की गिरावट आई है, हालांकि वैल्यू के आधार पर यह 16 प्रतिशत बढ़ी है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में स्पॉट गोल्ड 20.41 अमेरिकी डॉलर गिरकर 4,068.71 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर आ गया, जबकि स्पॉट सिल्वर मामूली बढ़त के साथ 52 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई।

दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी के भविष्य पर टकटकी

मृदुभाषी। नई दिल्ली

एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेन्सेन हुआंग द्वारा एक संदिग्ध चीनी जासूस एलिस हुआंग के साथ संबंध स्वीकारने के बाद कंपनी के शेयरों में जोरदार गिरावट आई है। आंतरिक जांच और राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं ने उनके भविष्य पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। बीते कुछ समय में एनवीडिया के शेयरों में निवेश मुनाफे की पक्की गारंटी माना जा रहा था, लेकिन जब से सीईओ जेन्सेन हुआंग ने पत्नी से बेवफाई और एक चीनी महिला से अफेयर की बात कबूली है, तब से कंपनी के शेयर लाल निशान पर आ गए हैं। अमेरिकी समयानुसार रविवार को घोषित इस उच्च स्तरीय जांच के बाद दुनिया की सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनियों में शुमार एनवीडिया में जेन्सेन हुआंग



के भविष्य को लेकर अनिश्चितता छा गई है। जांच मुख्य रूप से यह पता लगाने के लिए शुरू की गई है कि क्या उन्हें किसी विदेशी खुफिया अभियान के तहत निशाना बनाया गया था। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के क्षेत्र में तेजी के प्रमुख विक्रेताओं में से एक रहे 63 वर्षीय जेन्सेन हुआंग ने साल 1993 में क्रिस मैलाचोव्स्की और कर्टिस प्रीम के साथ मिलकर एनवीडिया की स्थापना की थी। ताइवान में जन्मे और अमेरिका में पले-बढ़े हुआंग सिलिकॉन वैली के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले मुख्य कार्यकारी अधिकारियों में गिने जाते हैं और उन्होंने एनवीडिया को वीडियो गेम के ग्राफिक्स चिप्स से आगे बढ़ाकर दुनिया का अग्रणी एआई प्रोसेसर सप्लायर बनाया।

चीनी महिला से अफेयर और आंतरिक जांच के खुलासे से जेन्सन हुआंग को बड़ा झटका

मृदुभाषी। नई दिल्ली

चीनी महिला से अफेयर की खबरों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी आंतरिक जांच के खुलासे के बाद एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेन्सेन हुआंग को तगड़ा झटका लगा है और वे फोर्ब्स की अमीर लोगों की सूची में एक पायदान खिसककर 10वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस व्यक्तिगत विवाद और बाजार में मची हलचल के कारण उनकी कुल नेटवर्थ 6.80 बिलियन डॉलर घटकर 155.4 बिलियन डॉलर पर आ गई है, जो भारतीय रुपए के हिसाब से लगभग 63 हजार करोड़ कम होकर 14.32 लाख करोड़ रह गई है। हुआंग की संपत्ति में आई यह भारी गिरावट मुख्य रूप से कंपनी के शेयरों में हुई बिकवाली के कारण दर्ज की गई है, जहाँ कारोबार के दौरान शेयर 8 प्रतिशत से अधिक लुढ़ककर 170 डॉलर के करीब पहुंच गए थे, हालांकि बाद में थोड़ी रिकवरी के साथ अंततः शेयर 7.97 डॉलर यानी 4.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 178.67 डॉलर पर बंद हुए। जेन्सेन



हुआंग की कुल संपत्ति का अधिकांश हिस्सा एनवीडिया कंपनी में उनकी व्यक्तिगत हिस्सेदारी से जुड़ा हुआ है, क्योंकि वे के पास कंपनी के 3.5 प्रतिशत से अधिक शेयर हैं और वे इसके सबसे बड़े व्यक्तिगत शेयरधारक हैं। हाल ही में जिन रिश्तों को लेकर बाजार में खलबली मची है, उसमें जिस महिला का नाम सामने आया है, वह एलिस हुआंग हैं और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को संदेह है कि वह चीन के खुफिया विभाग के लिए कार्य कर रही थीं।

तत्काल बुकिंग के दौरान सर्वर डाउन होने से अटकी सांसें; जानें तकनीकी खराबी आने पर क्या है बचाव का तरीका

IRCTC वेबसाइट ठप होने से यात्रियों को उठानी पड़ी भारी परेशानी

मृदुभाषी। नई दिल्ली

आईआरटीसीए (IRCTC) की आधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर ऑनलाइन टिकट बुकिंग के दौरान अचानक आई तकनीकी खराबी के चलते यात्रियों को भारी फजीहत का सामना करना पड़ा। खासकर तत्काल टिकट बुकिंग के वक्त सर्वर पर अत्यधिक लोड होने के कारण यूजर्स को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ा और स्क्रीन पर लगातार हाई लोड का संदेश दिखाई देता रहा। यात्रियों ने शिकायत की कि न तो वेबसाइट का पेज ठीक से खुल रहा था और न ही लॉगिन हो पा रहा था। कई लोगों की यूजर आईडी और पासवर्ड



डालने पर लगातार एरर आता रहा, जबकि कुछ मामलों में ट्रेन सिलेक्ट करके पैसेंजर की पूरी डिटेल भरने के बावजूद प्रोसेस आगे नहीं बढ़ी। सबसे बड़ी चिंता उन यात्रियों के लिए पैदा हो गई जिनके बैंक खातों से पैसे कटने के बाद भी टिकट कंफर्म होने का मैसेज तुरंत स्क्रीन पर नहीं आया। इस पूरे तकनीकी संकट के बीच रेलवे प्रशासन की तरफ से तत्काल कोई आधिकारिक बयान या प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। तत्काल टिकट बुकिंग के दौरान सबसे ज्यादा परेशानी सुबह के व्यस्त समय में देखने को मिली, जहां वेबसाइट या तो पूरी तरह से क्रैश नजर आई या फिर बेहद धीमी गति से लोड होती रही। कई यात्रियों ने बताया कि पैसे कटने के बाद असमंजस की स्थिति बन गई थी। इस तरह की तकनीकी समस्याओं से निपटने के लिए आईआरसीटीसी ने हेल्पलाइन नंबर 14646, 08044647999 और 08035734999 जारी किए हैं, जिन पर यात्री कॉल करके मदद मांग सकते हैं। इसके अलावा अपनी परेशानी को etickets@irctc.co.in ईमेल के जरिए भी दर्ज कराया जा सकता है, और अधिक अर्जेंट होने पर रेलवे स्टेशन के काउंटर पर जाकर टिकट बुक कराना ही एकमात्र विकल्प बचता है। यदि पैसे कटने के बाद भी टिकट जनरेट नहीं होता है, तो सबसे पहले तुरंत दोबारा टिकट बुक करने से बचने की सलाह दी जाती है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपने अकाउंट के 'माई ट्रांजैक्शंस' या 'बुक्ड टिकट हिस्ट्री' विकल्प में जाकर बुकिंग का वास्तविक स्टेटस जांच लें। इसके अलावा यदि गूगल क्रोम ब्राउजर में दिक्कत आ रही हो, तो मोजिला फायरफॉक्स या इनकॉग्निटो मोड यानी प्राइवेट विंडो का उपयोग करके भी प्रयास किया जा सकता है। आईआरसीटीसी के नियमों के अनुसार यदि तकनीकी खराबी या सर्वर डाउन होने के कारण खाते से पैसे कट जाते हैं और टिकट बुक नहीं होता है।

3-4 दिन में तालाब सूखने की आशंका, पेयजल और पशुओं के साथ मछली पालन से जुड़े 12 परिवारों की आजीविका पर भी संकट के बादल

एकमात्र तालाब पर कब्जे जैसी स्थिति ! 15 दिन से 24 घंटे पानी निकालने का आरोप

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। तिरला ब्लॉक के ग्राम नलावदा में गांव के एकमात्र तालाब से कथित रूप से बड़े पैमाने पर पानी की निकासी का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ लोग मोटर पंप लगाकर पिछले 15 दिनों से लगातार 24 घंटे तालाब का पानी खींच रहे हैं और इसे निजी तलाई में जमा किया जा रहा है। लगातार हो रही इस निकासी से तालाब का जलस्तर तेजी से घट रहा है। ग्रामीणों की मानें तो यदि पानी निकालने का सिलसिला नहीं रुका तो आगामी 3 से 4 दिनों में तालाब पूरी तरह सूखने की स्थिति में पहुंच सकता है। हैरानी की बात यह है कि ग्रामीणों द्वारा कई जिम्मेदार अधिकारियों को शिकायत करने के बावजूद अब तक पानी की निकासी पर रोक नहीं लग पाई है। ऐसे में सरकारी अमले की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

नलावदा गांव का यह तालाब केवल जल संग्रहण का साधन नहीं, बल्कि पूरे गांव की जल व्यवस्था का प्रमुख आधार है। ग्रामीणों के अनुसार तालाब से आसपास के बोरवेल और नलकूप रिचार्ज होते हैं। गांव की पेयजल व्यवस्था के साथ गौशाला और मवेशियों के लिए पानी की उपलब्धता भी इसी तालाब पर निर्भर है। ऐसे में तालाब का जलस्तर लगातार गिरना आने वाले दिनों में गंभीर संकट का कारण बन सकता है। यदि समय रहते पानी की निकासी नहीं रोकी गई तो ग्रामीणों को पेयजल के लिए परेशान होना पड़ सकता है, वहीं पशुओं के सामने भी पानी का संकट खड़ा हो जाएगा।

मछली पालन से 12 परिवारों का चलता है घर

तालाब को मत्स्य उद्योग सहकारी संस्था के माध्यम से मछली पालन के लिए लीज पर दिया गया है। संस्था द्वारा तालाब में मछली के बीज डालकर पालन किया जाता है। इस काम से जुड़े करीब 12 परिवारों की आजीविका इसी तालाब पर निर्भर है। तालाब में पानी कम होने से मछलियों के अस्तित्व पर संकट मंडराने लगा है। यदि तालाब समय से पहले सूख गया तो मछली पालन का पूरा कारोबार प्रभावित हो सकता है और इन परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। समूह अध्यक्ष फूलचंद पिता मिश्रीलाल ने इस मामले में कलेक्टर के नाम आवेदन प्रस्तुत कर तालाब से हो रही कथित अवैध पानी निकासी पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि तालाब सार्वजनिक उपयोग के साथ-साथ मछली पालन से जुड़े परिवारों की आजीविका का भी आधार है। कुछ लोगों द्वारा लगातार पानी निकाले जाने से सामूहिक हितों को नुकसान पहुंच रहा है।

बिजली विभाग से लेकर प्रशासन तक शिकायत

ग्रामीणों का आरोप है कि तालाब से पानी निकालने के लिए मोटर पंप और बिजली का उपयोग किया जा रहा है। इस संबंध में बिजली विभाग को भी सूचना दी गई, लेकिन इसके बावजूद मोटर बंद नहीं कराई गई। ग्रामीणों ने जनपद पंचायत सीईओ तिरला, तहसीलदार, पटवारी, जनपद पंचायत सीईओ धार, एसडीएम धार और थाना प्रभारी तिरला सहित संबंधित अधिकारियों को शिकायतें देकर कार्रवाई की मांग की है। इसके बावजूद ग्रामीणों के मुताबिक तालाब से पानी निकालने का सिलसिला लगातार जारी है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। ग्रामीणों का सवाल है कि जब तालाब गांव की सामूहिक संपत्ति और जल व्यवस्था का प्रमुख आधार है तो शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार विभाग कार्रवाई करने में देरी क्यों कर रहे हैं? मामले में ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनकी मांग है कि तालाब से मोटर के माध्यम से की जा रही पानी की निकासी तत्काल बंद कराई जाए।



मानपुर फोरलेन से अवैध खैर की लकड़ी से भरा वाहन जब्त

बागड़ के पास मिला संदिग्ध वाहन, चालक मौके से फरार, प्रकरण दर्ज

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



धार। जिले में अवैध वनोपज के परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए वन विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में 9 नवंबर की रात वन मंडल धार की टीम ने मानपुर फोरलेन पर कार्रवाई करते हुए देशी खैर की लकड़ी से भरा एक वाहन जब्त किया है। वन विभाग की टीम को देखकर वाहन चालक मौके पर ही गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। विभाग ने वाहन को कब्जे में लेकर वन परिक्षेत्र कार्यालय धार पहुंचाया और मध्यप्रदेश अभिवहन वनोपज परिवहन नियम 2022 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है।

वन परिक्षेत्र अधिकारी धार प्रभुराम मुछाला के अनुसार, वन मंडल अधिकारी विजयानंदम टी. आर. एवं उप वन मंडल अधिकारी के मार्गदर्शन में 9 नवंबर की रात करीब 10 से 12 बजे तक वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा मानपुर फोरलेन पर सामूहिक जांच की जा रही थी। इसी दौरान बगड़ के पास सफेद रंग का एक संदिग्ध वाहन दिखाई दिया, जिस पर टढ13--4463 नंबर अंकित था। वन कर्मचारियों ने जब वाहन की जांच शुरू की तो उसमें देशी खैर की लकड़ी भरी हुई पाई गई। टीम को देखकर वाहन चालक गाड़ी मौके पर छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद वन विभाग के कर्मचारियों ने वाहन को अपने कब्जे में लेकर परिक्षेत्र कार्यालय धार पहुंचाया।

परिवहन नियमों के तहत दर्ज किया प्रकरण

वन विभाग ने जब्त वाहन और उसमें भरी खैर की लकड़ी के संबंध में मध्यप्रदेश अभिवहन वनोपज परिवहन नियम 2022 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है। मामले में लकड़ी के परिवहन से जुड़े दस्तावेजों, वाहन के उपयोग और अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है। साथ ही फरार चालक की पहचान और वाहन से जुड़े लोगों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

वन विभाग की निगरानी में अवैध परिवहन पर कार्रवाई

खैर की लकड़ी की अवैध कटाई और परिवहन को रोकने के लिए वन विभाग द्वारा निगरानी एवं जांच अभियान चलाया जा रहा है। मानपुर फोरलेन पर की गई इस कार्रवाई में वन कर्मचारियों की सतर्कता से अवैध वनोपज परिवहन का मामला सामने आया। अब जांच में यह स्पष्ट होना बाकी है कि खैर की लकड़ी कहां से लाई जा रही थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था।



राजस्थान के 5 बाइक चोर गिरफ्तार, 2 नाबालिग शामिल

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

रतलाम। जिले की पिपलौदा थाना पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में दो नाबालिग भी शामिल हैं। पकड़े गए सभी आरोपी राजस्थान के बांसवाड़ा के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से मध्यप्रदेश और राजस्थान पासिंग की चार मोटरसाइकिलें तथा दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 4.5 लाख रुपये आंकी गई है।

पिपलौदा थाना प्रभारी रणजीत सिंगार ने बताया कि 27-28 अक्टूबर 2026 की मध्यरात्रि भमरिया नाल के पास से फरियादी कांतिलाल की बाइक और दो मोबाइल चोरी हो गए थे। मामला दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस को मुखबिर से सटीक सूचना मिली। इसके आधार पर पुलिस टीम ने राजस्थान के बांसवाड़ा में दबिश देकर पांचों आरोपियों को धर दबोचा। कड़ी पूछताछ में आरोपियों ने जावरा, पिपलौदा, कुशलगढ़ और बांसवाड़ा क्षेत्रों से वाहन चोरी की वारदातें कबूल की हैं। पुलिस ने उनके पास से बाइक भी बरामद की हैं।

पुलिस आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार बालिग आरोपियों की पहचान शहवाज पठान (21) पिता अब्दुल कयुम, अमित उर्फ अच्चु (25) पिता शंकरलाल बडेरा और हरीश चरपोटा (18) पिता गौतम चरपोटा सभी निवासी बांसवाड़ा के रूप में हुई है, वहीं, मामले में संलिप्त दो नाबालिगों को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है, जिससे क्षेत्र में हुई अन्य वाहन चोरी की वारदातों का खुलासा होने की उम्मीद है।

जनसुनवाई में पहुंचे 16 आवेदन, समय-सीमा में निराकरण के दिए निर्देश

पीएम आवास, संबल, अतिक्रमण और शराब दुकान हटाने की मांग

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



धार। मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं और मांगें कलेक्टर राजीव रंजन मीना के समक्ष रखीं। जनसुनवाई में कुल 16 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना और संबल योजना का लाभ दिलाने, निजी एवं कृषि भूमि से अतिक्रमण हटाने, कब्जा दिलाने, प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के मुख्य द्वार के पास संचालित शराब दुकान हटाने तथा नल-जल योजना का लाभ दिलाने जैसी समस्याएं प्रमुखता से उठीं। इसके अलावा डूब क्षेत्र में मकान प्रभावित होने पर नवीन आवास उपलब्ध कराने, शासकीय भूमि को आबादी घोषित करने, आम रास्ते से अतिक्रमण हटाने, ग्राम खेड़ी के तालाब से पैसे लेकर पानी छोड़ने, नवीन राशन कार्ड बनाने सहित अन्य मांगों को लेकर भी आवेदन दिए गए। जरुरतमंदों ने अपनी समस्याओं के मांगों के निराकरण की मांग की।

आवेदनों को औपचारिकता तक सीमित न रखा जाए

कलेक्टर मीना ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखा जाए, बल्कि प्रत्येक प्रकरण में नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाए। जिन मामलों का तत्काल निराकरण संभव है, उनमें बिना देरी किए कार्रवाई करें। वहीं, अन्य विभागों के समन्वय से जुड़े मामलों में आपसी तालमेल बनाकर आवेदकों को राहत पहुंचाएं।

जनहित से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता बरती जाए

उन्होंने लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करने और उनकी प्रगति से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता बरती जाए तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिले, ताकि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें।

इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अखिलेश कुमार जैन ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनीं और उनके न्यायोचित एवं वैधानिक निराकरण के लिए संबंधित मैदानी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

लापरवाही पर 4 तहसीलदारों का 2 दिन का वेतन काटने के निर्देश

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

रतलाम। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पर कलेक्टर अजय कटेसरिया ने चार तहसीलदारों के खिलाफ कार्रवाई की है। सेवा सेतु अभियान की समीक्षा में चारों तहसीलों में पिछले दो दिनों से शिकायतों के निराकरण में कोई प्रगति नहीं मिली। इस पर कलेक्टर ने 'काम नहीं तो सैलरी नहीं' के आधार पर दो दिन की सैलरी काटने के आदेश जारी किए हैं।

उल्लेखनीय है कि 'सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार' के तहत 3 अक्टूबर को विकासखंड स्तर पर और 4 अक्टूबर को नगरीय क्षेत्र के जोन स्तर पर विशेष शिविर लगाए गए थे। अभियान की समीक्षा में पिपलौदा, जावरा, बाजना और ताल तहसीलों में सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों के निराकरण में पिछले दो दिनों से शून्य प्रगति मिली। इसके बाद कलेक्टर ने कार्रवाई के आदेश जारी किए। जिन तहसीलदारों की दो दिन की सैलरी काटने के आदेश दिए गए हैं, उनमें ताल के निर्भयसिंह पटेल, बाजना के तत्कालीन तहसीलदार और वर्तमान में रतलाम शहर में पदस्थ देवेंद्र कुमार दानगढ़, जावरा के पंकज पवैया और पिपलौदा की पिंकी साठे शामिल हैं।

पंचायत उपचुनाव: प्रशासन अलर्ट, 18 व्यवस्थाओं के लिए अधिकारी नियुक्त

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। जनपद पंचायत सरदारपुर के निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक-1 दसाई में होने वाले त्रि-स्तरीय पंचायत उप निर्वाचन-2026 को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राजीव रंजन मीना ने 18 अलग-अलग व्यवस्थाओं के लिए जिला स्तरीय नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों की नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्वाचन कार्यक्रम के तहत प्रशासन ने चुनाव से जुड़ी जिम्मेदारियों का बंटवारा कर दिया है। इसमें मानव संसाधन प्रबंधन, प्रशिक्षण, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, कानून व्यवस्था, परिवहन, निर्वाचन सामग्री, ईवीएम प्रबंधन, वीडियोग्राफी, सीसीटीवी, मतगणना और शिकायत निवारण जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं शामिल हैं।

प्रशिक्षण और मतदान केंद्रों की जिम्मेदारी जिपं सीईओ को

मानव संसाधन प्रबंधन के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अखिलेश जैन को नोडल अधिकारी बनाया गया है। उनके सहयोग के लिए जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी अतुल कुमार चौधरी, जिला शिक्षा अधिकारी पुष्पेन्द्रसिंह सरत्या और कृषि विभाग के सांख्यिकी अधिकारी कालुसिंह जमरे को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। निर्वाचन प्रशिक्षण की जिम्मेदारी भी अखिलेश जैन और सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग पारुल व्यास जैन को सौंपी गई है। मतदान केंद्रों के प्रबंधन और मतदाता जागरूकता गतिविधियों के लिए भी जिला पंचायत सीईओ को जिम्मेदारी दी गई है।



कानून व्यवस्था पर रहेगी नजर

निर्वाचन के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने और आदर्श आचरण संहिता का पालन सुनिश्चित कराने के लिए अपर कलेक्टर राजीव केशव पाण्डेय को नोडल अधिकारी तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। संबंधित क्षेत्र के एसडीएम, एसडीओपी और तहसीलदार भी इस व्यवस्था में जिम्मेदारी निभाएंगे। निर्वाचन सामग्री, परिवहन और रूट चार्ट प्रबंधन के लिए डिप्टी कलेक्टर सलोनी अग्रवाल को नोडल अधिकारी बनाया गया है। ईवीएम प्रबंधन की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग की कार्यपालन यंत्री बबीता सोनेकर (मालवीय) को सौंपी गई है। वहीं वीडियोग्राफी एवं सीसीटीवी व्यवस्था के लिए उद्योग विभाग के महाप्रबंधक शैलेन्द्र चौहान और मतगणना प्रबंधन के लिए भी कार्यपालन यंत्री बबीता सोनेकर (मालवीय) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। हेल्पलाइन एवं शिकायतों के निराकरण की जिम्मेदारी जिला कार्यक्रम अधिकारी रामनिवास बुधोलिया और प्रभारी सहायक संचालक प्रवीण सिटोले को दी गई है। चिकित्सा व्यवस्था के लिए सीएमएचओ डॉ. अनिता सिंगारे तथा विद्युत व्यवस्था के लिए अधीक्षण यंत्री दधिचि रेवदिया को नोडल अधिकारी बनाया गया है इसके अलावा भोजन, स्वल्पाहार एवं पीओएल व्यवस्था, संचार योजना, मानदेय वितरण, मतपत्रों की व्यवस्था, कम्प्यूटरीकरण, निर्वाचन अधिसूचना, प्रेक्षक संबंधी जानकारी और प्रेक्षक के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए भी अलग-अलग अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आयोजन 12वें प्रतिभा सम्मान समारोह में शिक्षा,विज्ञान और सामाजिक सेवा का संगम

110 प्रतिभाओं का सम्मान कर बढ़ाया हौसला

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



कसरावद। समाज की छिपी हुई प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और नई पीढ़ी को शिक्षा,रचनात्मकता एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से कुनबी पटेल सेवा समिति का 12वां भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह ग्राम महाराजखेड़ी स्थित कुनबी पटेल समाज धर्मशाला में आयोजित किया गया। समारोह में करीब 110 मेधावी विद्यार्थियों एवं समाज की विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। आयोजन में शिक्षा के साथ मानव सेवा और सामाजिक सरोकारों की भी विशेष झलक देखने को मिली।

समारोह का विशेष आकर्षण देहदान का संकल्प लेकर समाज को प्रेरणादायी संदेश देने वाले खरगोन के सामाजिक दंपत्ति हीरालाल तिरोले एवं उनकी पत्नी सुशीला तिरोले रहे वहीं स्वच्छता के क्षेत्र में प्रेरक की भूमिका निभाकर समाज में जागरूकता फैलाने वाले घनश्याम पटेल बलगांव का भी शाल श्रीफल ओर प्रशस्ति पत्र देकर विशेष सम्मान किया गया।समिति ने इनका सम्मान कर समाज को संदेश दिया कि प्रतिभा केवल शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव सेवा, सामाजिक जागरूकता और जनहित के कार्य भी सम्मान के वास्तविक हकदार हैं।

देहदान और स्वच्छता के कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत : पटेल

समारोह को संबोधित करते हुए समाज के जिला अध्यक्ष रामलाल पटेल ने कहा कि देहदान से बड़ा मानव सेवा का कोई दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता। देहदान करने वाला व्यक्ति मृत्यु के बाद भी चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के माध्यम से मानवता की सेवा करता है। इस दौरान विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की गई। इसमें पांच टीमों ने वर्किंग मॉडल,नॉन-वर्किंग मॉडल और स्वनिर्मित मॉडल प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने अपने मॉडल की उपयोगिता और कार्यप्रणाली की जानकारी दी। प्रत्येक प्रतिभागी टीम को प्रस्तुति के लिए दो से तीन मिनट का समय दिया गया। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में तीन-तीन विद्यार्थियों की छह टीमों ने भाग लिया। दो चरणों में आयोजित प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी ज्ञान क्षमता और त्वरित निर्णय लेने की प्रतिभा का परिचय दिया। इसमें बुद्धिबल टीम की यशिका मंडलोई बलखड़,आयुषी पटेल रेगवा और स्नेहा पटेल रेगवा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया,समारोह में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के साथ प्रशासनिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को ट्रॉफी, प्रमाणपत्र एवं अन्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी, कुलदेवता दशाधर काल भैरव एवं छत्रपति शिवाजी महाराज के पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पर मंच पर समाज जिला अध्यक्ष रामलाल पटेल, जिला सचिव चम्पालाल पटेल, पूजा पटेल, सारिका पटेल रेगवा, युवा संगठन अध्यक्ष विकास पाटिल, ओंकार पटेल मोहन पटेल रेगवा, शीला पटेल, घनश्याम पटेल, हीरालाल तिरोले एवं उनकी पी श्रीमती सुशीला तिरोले, सुनील पटेल तथा देवराम पटेल उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनी दीवाली

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



आलोट। दीपों की जगमगाहट, रंगोली की सजावट और आतिशबाजी की चमक के बीच नगर में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दीपोत्सव पर घरों से लेकर बाजारों तक उत्सव की छटा बिखरी रही। दिनभर खरीदारी की हलचल के बाद शाम को दीपों से सजे घरों ने नगर की सुंदरता में चार चांद लगा दिए। आस्था, परंपरा और उल्लास के संग दीपावली की खुशियां हर ओर नजर आईं।

दीपावली को लेकर बाजारों में दिनभर चहल-पहल बनी रही। फूलों, दीपकों और पूजन सामग्री की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ उमड़ी। घरों को सजाने के लिए लोगों ने फूलों और सजावटी सामग्री की खरीदारी की। शाम होते ही घरों के आंगन आकर्षक रंगोलियों से सज उठे। कहीं फूलों की पंखुड़ियों से रंगोली बनाई गई, तो कहीं रंग-बिरंगे रंगों से कलात्मक आकृतियां उकेरी गईं। घरों की चौखट पर दीपों की कतारों ने दीपोत्सव की रौनक को और बढ़ा दिया।

शुभ मुहूर्त में पूजन, सुख-की कामना

परिवारों ने शुभ मुहूर्त में विधि-विधान के साथ मां लक्ष्मी और भगवान गणेश का पूजन किया। घरों में दीप प्रज्वलित कर सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलकामनाओं के साथ दीपोत्सव मनाया गया। पूजन के बाद परिवारों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। परंपरागत पूजन और दीप सज्जा के बीच घरों में उत्सव का माहौल बना रहा।

आतिशबाजी से रातभर जगमगाता रहा आसमान

रात ढलते ही आतिशबाजी का दौर शुरू हुआ। रंग-बिरंगे पटाखों की रोशनी से आसमान चमक उठा। फुलझड़ियों की जगमगाहट और आतिशबाजी की गूंज ने दीपावली के उत्साह को और बढ़ा दिया। देर रात तक नगर में रोशनी और उल्लास का माहौल बना रहा। दीपों से सजे घर, रंगोली से दमकते आंगन और आसमान में बिखरी रंगीन रोशनी ने दीपावली को यादगार बना दिया।

सात स्थानों से 35 जुआरी गिरफ्तार, 18 हजार जब्त

सहायिका की नियुक्ति के नाम पर 80 हजार की रिश्वत मांगने का आरोप

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



बिजुरी/अनूपपुर। दीपावली के पर्व के दौरान जुआ खेलने वालों के खिलाफ बिजुरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ही दिन में सात अलग-अलग जुआ फड़ों पर दबिश दी। 9 नवंबर 2026 को की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने कुल 35 जुआरियों को पकड़कर उनके कब्जे से 18 हजार 650 रुपये नकद एवं 364 ताश के पत्ते जब्त किए। पुलिस ने जुआ एक्ट के तहत सात अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं।

पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक अनूपपुर अंकित सोनी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बिजुरी विकास सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचनाओं के आधार पर नगर के केविन दफाई, धनियाठेला के पास लोहसरा, सागर सोनी के घर के सामने, ग्राम कोरजा में हनुमान मंदिर के पीछे, माइनस कॉलोनी के पीछे मैदान, लोहसरा तथा ग्राम भगता में अलग-अलग जुआ फड़ों पर छापेमारी की।

इस तरह हुई कार्रवाई

पहली कार्रवाई में केविन दफाई से 800 रुपये, दूसरी कार्रवाई, लोहसरा से 2,950 रुपये, तीसरी कार्रवाई बिजुरी में सागर सोनी के घर के सामने से 3,000 रुपये, चौथी कार्रवाई, ग्राम कोरजा से 1,100 रुपये।, पांचवीं कार्रवाई माइनस कॉलोनी से 1,600 रुपये, छठवीं कार्रवाई, लोहसरा से 1,200 रुपये, सातवीं कार्रवाई, ग्राम भगता से 8,000 रुपये शामिल है। इस तरह सातों जुआ फड़ों से कुल 18,650 रुपये नकद और 364 ताश के पत्ते जब्त किए गए। पुलिस ने सभी 35 आरोपियों के विरुद्ध जुआ एक्ट के तहत सात अलग-अलग प्रकरणों में कार्रवाई की है। कार्रवाई में थाना प्रभारी बिजुरी विकास सिंह, उपनिरीक्षक विपुल शुक्ला, सहायक उपनिरीक्षक प्रभाकर पटेल, प्रधान आरक्षक सतीश मिश्रा, गोपाल यादव तथा आरक्षक लक्ष्मण डांगी, विश्वजीत मिश्रा, प्रभाकर त्रिपाठी, करमजीत सिंह, मनोज उपाध्याय, रवि सिंह, सुनील यादव, राजदेव सिंह, अभिषेक शर्मा एवं रामनिवास गुर्जर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पशुपालको ने अपने पशुधन का श्रृंगार कर पूजन किया

पड़वा पर पूजे गोबर से बने गोवर्धन माना प्रकृति और पशुओ का आभार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



खरगोन। पांच दिवसीय दीपोत्सव इस वर्ष तिथियों के घट-बढ़ के चलते 6 दिवसीय मनाया जा रहा है। पांचवे दिन शहर सहित अंचल में पड़वा पर्व आस्था के साथ मनाया गया। पशुपालको ने अपने पशुधन का श्रृंगार कर पूजन किया। वहीं महिलाओं ने आंगन में गोबर के गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाकर परंपरानुसार पूजन किया। इसके साथ ही गाय का पूजन कर उन्हें अन्न एवं मिष्ठान भी खिलाए गए। मान्यता अनुसार इस दिन गौसेवा का विशेष महत्व है। दरअसल भगवान श्रीकृष्ण जी ने गोपालन कर उनकी सेवा की थी।

इस दौरान पशु पालकों ने पशुओं को श्रृंगारित कर भ्रमण भी कराया। इसे पशु दौड़ाने की परम्परा कहा जाता है। शहर के पहाड़सिंगपुरा, संजय नगर, माली मोहल्ला, इंदिरा नगर, जैतापुर, तवड़ी मोहल्ला आदि क्षेत्रों में जहां कृषक ओर पशु पालक परिवार निवास करते है, उन क्षेत्रों में पशुओं के प्रति आस्था और सम्मान नजर आया। महिलाएं ने गोबर से बने गोवर्धन की आरती उतारकर घरों के मुख्य द्वार पर दीप जलाए गए।

आतिशबाजी की मची होड़

गोवर्धन पूजा के बाद श्रृंगारित पशुओ को घर पर पूजन के बाद बस्ती में छोड़ दिया गया। जहां रास्ते भर लोगो ने पशुओ के पैरों में आतिशबाजी की। यह आतिशबाजी पशुओ के रास्ते से गुजरने के बाद मोहल्ले के युवाओं के बीच पटाखा युद्ध में बदल गई। खरगोन के टवड़ी मोहल्ला क्षेत्र में दीपावली की पड़वा पर गोवर्धन पूजा बाद जमकर आतिशबाजी हुई। यहां परंपरागत एक दूसरे पर पटाखे छोड़कर परंपरा का निर्वहन किया गया। करीब 2 घंटे जमकर आतिशबाजी का दौर चला, जिसमें मुख्य मार्ग पर युवाओं के अलग. अलग दलों ने आमने-सामने होकर जमकर एक दूसरे पर पटाखे छोड़कर आतिशबाजी का आनंद लिया। इस आतिशबाजी की विशेषता है कि दोनों और से बड़ी संख्या में आतिशबाजी होने के बाद भी किसी को गंभीर चोंट नही आती है। हालांकि कुछ लोग जलते पटाखे लगने से जख्मी जरुर हुए। यह परंपरा वर्षों से निभाई जा रही है। हालांकि सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद नजर आया। टवड़ी क्षेत्र में भारी पुलिस बल के साथ ही फायर फायटरों की तैनाती भी की गई थी।

उमंग और उल्लास के साथ मनाया दीपों का पर्व दीपावली

दीपों का त्यौहार दीपावली शहर सहित समूचे अंचल में उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया। दीपावली के दिन सुबह से ही व्यापार-व्यवसाय में उठाव शुरू हो गया था। धनतेरस के बाद से बाजार में जो रौनक बनना शुरू हुई वही दीपावली की शाम तक बाजार में बनी रही। दीपोत्सव पर लोगों ने अपने घरों को केले के पत्तों आम के पत्तों और पुष्प मालाओं से खूब सजाया। मुहुर्त के अनुसार धन की देवी महालक्ष्मी की पूजन-अर्चन की गई। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में खुशी की लहर बनी रही। पूजन के बाद हर तरफ दीपावली की देर रात तक फटाकों की गूंज गूंजती रही। खुशियों से भरे इस त्योहार के अवसर पर हर घर में दीपोत्सव मनाया गया। वर्ष भर अपने प्रतिष्ठान में कमाई करने वाले व्यापारियों ने अपनी दुकानों में ग्राहकों की भीड़ रहने के बाद भी लक्ष्मी जी को सिंहासन पर विराजमान कर विधि-विधान से पूजन अर्चन की।

पारिवारिक विवाद में बड़े भाई की हत्या

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



खरगोन। जिले के भीकनगांव थाना क्षेत्र में एक पारिवारिक विवाद ने खूनी मोड़. ले लिया। अपनी बीमार मां की सेवा को लेकर हुए झगड़े में छोटे भाई ने अपने ही बड़े भाई पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। यह सनसनीखेज वारदात ग्राम शकरखेड़ी में घटित हुई। पुलिस ने आरोपी छोटे भाई को बड़े भाई की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार ग्राम शकरखेड़ी निवासी पूनम श्यामलाल बारे को अपने ही भाई संतोष बारे की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। जांच में पता चला कि 5 नवंबर को मृतक संतोष बारे का अपनी मां से विवाद हुआ था। इस पर पूनम बारे ने उसे जान से मारने की नीयत से लाठी से सिर व हाथ.पैर में मारा, जिससे संतोष घायल हो गया। घायल होने पर पूनम उसे घर के अंदर लेटा दिया। अगले दिन सुबह संतोष मृत पाया गया। इस हत्या के बाद अपने किए पर पर्दा डालने के लिए हत्यारे पूनम ने गुनाह कबूल करने के बजाय गुनाह पर शव को घर में ही गड्ढा खोदने के बाद उसमें गाड़ दिया। हालांकि वह नाकाम रहा और पुलिस ने उसे धरदबोचा। पूनम की यह करतूत घर के बच्चों ने देख ली थी। पूछताछ में पूनम ने अपने भाई की हत्या कर शव गाडने की बात स्वीकार कर ली। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लाठी जब्त की है।

श्री मुनीसुव्रत स्वामी मंदिर में निर्वाण लाडू चढ़ाया

कसरावद । श्वेताम्बर जैन समाज द्वारा जैन धर्म के 24वें अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2553 वा निर्वाण दिवस मनाया। इस अवसर पर समाजजनों ने भगवान को निर्वाण लाडू चढ़ाया।

समाज के संजय रायली ने बताया कि अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का कार्तिक कृष्ण अमावस्या को स्वाति नक्षत्र में मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। इसी दिन उनके प्रथम गंधार गौतम स्वामी जी को केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई थी मान्यता है कि देवताओं द्वारा दीप जलाकर इस दिन उत्सव मनाया गया। तभी से दीपावली पर जैन धर्म में निर्वाण उत्सव मनाने के परंपरा है । भगवान के निर्माण दिवस पर सवा किलो शुद्ध देसी घी से निर्मित लाडू श्री चरणों में अर्पित किया जाता है।

अधिकारी-कर्मचारी विकास की ताकत : मोयदे

दीपावली मिलन समारोह में नगर परिषद अध्यक्ष ने किया अधिकारी-कर्मचारियों का सम्मान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



मंडलेश्वर। दीपावली के पावन पर्व पर नगर परिषद मंडलेश्वर द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष विश्वदीप संतोष मोयदे ने निकाय के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों एवं सफाई मित्रों का सम्मान कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

समारोह में नपाध्यक्ष विश्वदीप मोयदे ने सभी कर्मचारियों पर पुष्पवर्षा कर उनका आत्मीय स्वागत किया तथा अंगवस्त्र,स्मृति चिह्न एवं मिठाई भेंटकर सम्मानित किया।

मंडलेश्वर में बढ़ रहे पर्यटकः तवर

इस अवसर पर स्वच्छता ब्रांड एम्बेसेडर यशवंत सिंह तवर ने अपने उद्बोधन में कहा कि मंडलेश्वर में स्वच्छता के बेहतर प्रयासों के कारण अब पर्यटकों का आगमन भी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा प्रतिवर्ष दीपावली मिलन समारोह आयोजित करना सराहनीय है। इस वर्ष सभी कर्मचारियों का सम्मान कर उन्होंने एक अच्छी पहल की है,जिसके लिए वे बधाई एवं धन्यवाद के पात्र हैं। रत्नदीप मोयदे ने नगर परिषद अध्यक्ष के सफल चार वर्षीय कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि आगामी शेष एक वर्ष में नगर के सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों को नई गति देने की दिशा में प्रयास किए जाने चाहिए। अपने उद्बोधन में नगर परिषद अध्यक्ष विश्वदीप मोयदे ने कहा कि नगर के विकास कार्यों की एक लंबी सूची है। बीते चार वर्षों में सभी के सहयोग से अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं और आगामी एक वर्ष में शेष विकास कार्यों को भी पूर्ण करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों का वेतन प्रत्येक माह समय पर सुनिश्चित किया जा रहा है। नगर को स्वच्छ,सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने में सफाई मित्रों तथा नागरिकों तक नियमित पेयजल पहुंचाने में जलप्रदाय विभाग के कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इन सभी कर्मचारियों के परिश्रम,निष्ठा एवं समर्पण के बिना नगर का विकास संभव नहीं है। कार्यक्रम में पार्षद मोंटी कुरैशी,पार्षद प्रतिनिधि गुड्डू केवट, मुन्ना तवर,तैयब अली बवाहिर, दिनेश प्रजापत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी संजय रावल, कैलाश वर्मा, संजय कलोसिया, मुकेश श्रीवास, भूपेंद्र सिंह तोमर, अमित जोशी, लवकेश तारे, मनोहर गोहर दरोगा, शैलू गोहर, मयंक लोहारे, जितेंद्र केवट सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोटर पंप चोरों पर ड्रोन से निगरानी रख रही पुलिस

ग्रामीणों के साथ की जा रही गश्त

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। रबी सीजन के दौरान खेतों में सिंचाई के लिए लगाए गए मोटर पंप चोरी की बढ़ती वारदातों पर अंकूश लगाने के लिए बागोद पुलिस चौकी प्रभारी ने अनोखी पहल की है। चौकी प्रभारी हरिशंकर पाटेल ने बताया मोटर पंप चोरी रोकने के लिए न केवल पुलिस रात्रि गश्त बढ़ा रही है, बल्कि ड्रोन से भी निगरानी रख जा रही है।

इसके साथ ही किसानों की पानी की मोटरों और कृषि उपकरणों की सुरक्षा के लिए ग्रामीणों के सहयोग से सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही नहर क्षेत्र की निगरानी के लिए ड्रोन कैमरों का भी उपयोग किया जाएगा। इन कैमरों के माध्यम से नहर क्षेत्र में आने-जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों पर नजर रखी जा सकेगी। इससे चोरी की घटनाओं की रोकथाम और अपराधियों की पहचान में सहायता मिलेगी।पुलिस और ग्रामीणों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए प्रतिदिन संयुक्त गश्त की व्यवस्था भी की गई है। इस दौरान पुलिस बल और ग्रामीण मिलकर नहर क्षेत्र में गश्त करेंगे, संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखेंगे। इस पहल की विशेषता यह है कि इसमें पुलिस के साथ ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी तय की गई है।चौकी प्रभारी पान्टेल की यह पहल जिले के अन्य थानों और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणादायक बन सकती है।

भीषण आग से चार गुमटियां जलकर खाक, लाखों का नुकसान

रात 1:30 बजे शॉर्ट सर्किट से लगी आग, फल-फ्रूट, इलेक्ट्रिक सामान और बैंड-बाजे की दुकानों का सामान जला

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



मोहन बड़ोदिया। नगर के वार्ड क्रमांक 18 स्थित पड़ाव कॉलोनी, नलखेड़ा रोड पर पुरानी जनपद के सामने सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब 1:30 बजे शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते चार गुमटियां इसकी चपेट में आ गईं और पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। इस अग्निकांड में गुमटी मालिकों को लाखों रुपए का नुकसान होने का अनुमान है।

जानकारी के अनुसार आग विक्की परमार, अंबाराम बामनिया, दीपक बामनिया और देवकरण चतारा की गुमटियों में लगी। इनमें एक गुमटी में फल-फ्रूट की दुकान संचालित होती थी, जबकि दूसरी और तीसरी गुमटी में इलेक्ट्रिक सामान रखा हुआ था। चौथी गुमटी में संगीत एवं बैंड-बाजे से संबंधित सामान रखा था। आग की चपेट में आने से दुकानों में रखा सामान जलकर राख हो गया। आग लगने की सूचना मिलते ही वार्ड क्रमांक 18 के पंच मोहित सोनी सहित स्थानीय नागरिक मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों और पुलिसकर्मियों ने पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर बड़ागांव से दमकल वाहन भी मौके पर पहुंचा, जिसके बाद काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि तब तक चारों गुमटियों में रखा सामान जल चुका था। इस घटना के बाद क्षेत्र में दमकल वाहन की स्थायी व्यवस्था का मुद्दा एक बार फिर उठने लगा है। स्थानीय निवासी अनूप, सुभाष और रविशंकर ने बताया कि मोहन बड़ोदिया थाना क्षेत्र काफी बड़ा है, लेकिन यहां आगजनी जैसी आपातकालीन घटनाओं से निपटने के लिए एक भी दमकल वाहन उपलब्ध नहीं है। वर्तमान में दमकल वाहन के लिए दूसरे क्षेत्र पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे आग लगने की स्थिति में समय पर पहुंचना चुनौतीपूर्ण हो सकता है उन्होंने बताया कि बड़ागांव में दो दमकल वाहन उपलब्ध हैं। यदि इनमें से एक दमकल वाहन क्षेत्र में स्थायी रूप से उपलब्ध करा दिया जाए तो आगजनी की घटनाओं में राहत पहुंचाई जा सकती है।

जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, समग्र आईडी एवं आयुष्मान कार्ड की एक स्थान पर

10 प्वाइंट पर जन्म के साथ 4 सुविधाएं

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



महेश्वर। स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुदृढ़, सुविधाजनक एवं जनहितकारी बनाने की दिशा में एक अभिनव पहल वर्तमान में सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है। इसके अंतर्गत विकासखंड के सभी 10 डिलीवरी प्वाइंट पर नवजात शिशुओं के जन्म के समय ही जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, समग्र आईडी एवं आयुष्मान कार्ड से संबंधित आवश्यक सुविधाएं एकीकृत रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य नवजात शिशुओं के अभिभावकों को जन्म के बाद अलग-अलग शासकीय कार्यालयों के चक्कर लगाने से मुक्ति दिलाना तथा बच्चों के आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित प्रक्रिया जन्म के समय ही प्रारंभ करवाना है। इससे ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के परिवारों के समय एवं धन की बचत हो रही है तथा बच्चों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने में सुविधा मिल रही है। विकासखंड महेश्वर के अंतर्गत यह सुविधा वर्तमान में निम्नलिखित 10 स्वास्थ्य संस्थाओं में नियमित रूप से संचालित है। इनमें सिविल अस्पताल मंडलेश्वर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेश्वर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आशापुर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चोली, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोमाखेड़ी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पाडल्य, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करही, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिपल्या बुजुर्ग, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नांद्रा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धरगांव शामिल है।

इस महत्वपूर्ण जनहितकारी व्यवस्था के सफल संचालन में कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी का मार्गदर्शन एवं प्रशासनिक सहयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उनके मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर इस व्यवस्था को धरातल पर प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है।

आमजन को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिल रही

खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अतुल गौर ने बताया कि विकासखंड महेश्वर में यह व्यवस्था वर्तमान में सभी 10 डिलीवरी प्वाइंट पर क्रियाशील है। इसके माध्यम से नवजात शिशुओं के अभिभावकों को जन्म के समय ही चार महत्वपूर्ण शासकीय सुविधाओं से संबंधित सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे आमजन को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिल रही है तथा संस्थागत प्रसव को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग का निरंतर प्रयास है कि प्रत्येक नवजात शिशु को जन्म के साथ ही उसकी पहचान एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया सहज, सरल एवं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित हो।

अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर घायल युवक ने तोड़ा दम, दूसरे की हालत गंभीर

अनूपपुर। आमलाई थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर-टघरा मुख्य मार्ग पर सोमवार शाम करीब 6:30 से 7 बजे के बीच अज्ञात वाहन की जोरदार टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए 24 वर्षीय युवक सुशील चौरसिया की उपचार के लिए ले जाते समय मौत हो गई। सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे उमरिया जिले के घुनघुटी के पास उसने दम तोड़ दिया। हादसे में बाइक सवार दूसरा युवक राजू बैगा भी गंभीर रूप से घायल हुआ है।

जानकारी के अनुसार ग्राम रामपुर निवासी सुशील चौरसिया पिता स्व. नानदाऊ चौरसिया अपने साथी राजू बैगा पिता ठग्गू बैगा के साथ सोमवार शाम मोटरसाइकिल से कहीं जा रहा था। इसी दौरान रामपुर-टघरा गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को निजी वाहन से जिला अस्पताल अनूपपुर पहुंचाया गया। यहां चिकित्सकों ने सुशील की गंभीर हालत को देखते हुए उसके सिर में आई गहरी चोट पर लगभग 50 से 55 टांके लगाए।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक/विक्रेता **श्री परवेज पिताश्री नुरूल हसन** पता **70, सुमति नगर पैकी, इन्दौर**, खाता क्र. **1001313678** झोन क्र. 19 क्रेता/वर्तमान में जो नाम चाहा गया है **1. श्री आफताब मलिक फारूकी पिताश्री अब्दुल कलाम, 2. श्री अब्दुल मलिक पिता अब्दुल कलाम ।** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **11.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 19 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 19 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक/विक्रेता **श्री किशनचंदजी** पता **43, एन.आर. स्टेट, इन्दौर**, खाता क्र. **1003134997** झोन क्र. 19 क्रेता/वर्तमान में जो नाम चाहा गया है **श्री सतीश रूपचंदानी ।** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **11.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 19 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 19 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक/विक्रेता **श्री विक्रांत पिताश्री सूर्यकांत लोखंडे** पता **152, ब्रजेश्वरी एक्सटेंशन, इन्दौर** खाता क्र. **100133122** झोन क्र. 19 क्रेता का नाम **प्रभजीत कौर छाबड़ा ।** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **11.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 19 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 19 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है आवेदक/विक्रेता **श्री गोपाल पिताश्री हुकमचंदजी गुप्ता** पता **422, सर्वसम्पन्न नगर, फ्लेट नं. 201, इन्दौर**, खाता क्र. **1001349766** झोन क्र. 19 क्रेता/वर्तमान में जो नाम चाहा गया है **सुमित्रा पिताश्री राजारामजी भालसे।** इस जाहिर सूचना प्रकाशन **11.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 19 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 19 नगर पालिका निगम इंदौर

धूं-धूं कर जली सड़क पर दौड़ती हुई कार



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। शहर के नानाखेड़ा स्थित समुद्र मंथन चौराहे पर मंगलवार दोपहर एक अर्टिगा कार में आग लगने से हड़कंप मच गया। कार सवार ने आग देखते ही समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली, लेकिन कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

नानाखेड़ा थाना पुलिस ने बताया कि कार में आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। उस समय कार आग की लपटों से पूरी तरह घिरी हुई थी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने करीब 15 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

कार स्टार्ट करने के दौरान शॉर्ट सर्किट से आग लगी

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि कार बड़नगर तहसील के बाद गांव निवासी राहुल पिता राधेश्याम की है। वह ट्रैवल्स का काम करता है। राहुल रतलाम से धार्मिक यात्रा पर आए एक परिवार को लेने के लिए समुद्र मंथन चौराहे पर पहुंचा था। परिवार के आने पर उसने कार स्टार्ट की। इसी दौरान शॉर्ट सर्किट से कार में आग लग गई।

दमकल ने आग पर काबू पाया

कार में आग लगने की सूचना आसपास से निकल रहे लोगों ने पुलिस को दी। जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची दमकल ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। आग लगने के बाद नानाखेड़ा चौराहे पर ब्लास्ट की आवाज आने से आसपास खड़े लोग सहम गए।

19.76 लीटर दूध देकर जीता 1 लाख का पुरस्कार

'राधा' बनी प्रदेश में सबसे अधिक दूध देने वाली गाय

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की 'गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना' के तहत आयोजित प्रदेश स्तरीय दुग्ध उत्पादन प्रतियोगिता में उज्जैन के किसान गौरव रघुवंशी की गिर गाय 'राधा' ने पहला स्थान हासिल किया है। 30 और 31 अक्टूबर को वृंदावन ग्राम तलोद में आयोजित दो दिवसीय प्रतियोगिता में राज्य के 313 विकासखंडों के पशुपालकों ने हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता में सुबह और शाम के दुग्ध उत्पादन की जांच के आधार पर मूल्यांकन किया गया, जिसमें राधा ने प्रतिदिन 19.76 लीटर दूध देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इसके लिए गौरव रघुवंशी को भोपाल में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में 1 लाख का पुरस्कार प्रदान किया गया। गौरव ने बताया कि उन्होंने राधा को गुजरात से 90,000 में खरीदा था। कुछ समय पहले गंभीर रूप से बीमार होने के बावजूद उन्होंने परिवार के सदस्य की तरह उसकी देखभाल की, उसे खुले वातावरण में रखा और हरा चारा व संतुलित आहार दिया, जिससे वह पूर्णतः स्वस्थ हो गई। उन्होंने बताया कि इस पुरस्कार राशि से वे एक और गिर गाय खरीदेंगे।

गोपाल ने दूसरा और संदीप चौधरी ने तीसरा स्थान हासिल किया

प्रतियोगिता में देशी गोवंश वर्ग के तहत गोपाल



ने दूसरा स्थान प्राप्त कर 50,000 और संदीप चौधरी ने तीसरा स्थान हासिल कर 25,000 का पुरस्कार जीता। ग्रेडेड गिर गाय श्रेणी में रतलाम जिले के सुखेड़ा निवासी मुकेश कुमार परमार की गाय ने 17.23 लीटर औसत दैनिक दुग्ध उत्पादन के साथ प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया। मुकेश को सागौद गौशाला में आयोजित समारोह में जनप्रतिनिधियों व कलेक्टर द्वारा सम्मानित किया गया।

इंजीनियर की नौकरी छोड़कर शुरू किया था डेयरी फार्म

उल्लेखनीय है कि बीटेक (इलेक्ट्रिकल) शिक्षित मुकेश कोरोना काल में पुणे की टेस्टिंग इंजीनियर की नौकरी छोड़कर गांव लौटे थे और डेयरी फार्म शुरू किया था। उन्होंने यह गाय 8 महीने पहले 73,000 में खरीदी थी। सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी दिलीप मेहता और उप संचालक डॉ. वीरेंद्र कुमार ने बताया कि गिर नस्ल के बेहतर स्वास्थ्य और दुग्ध उत्पादन के लिए संतुलित आहार के साथ कोबाल्ट व जिंक जैसे मिनरल्स महत्वपूर्ण हैं। प्रदेश में गिर गोवंश की संख्या बढ़ाने के लिए कृत्रिम गभार्धान और नस्ल सुधार को बढ़ावा दिया जा रहा है। गौरव बताते हैं कि राधा के कुल दूध का करीब 60 प्रतिशत हिस्सा ही वे बेचते हैं। यह दूध आसपास के लोग खरीद लेते हैं, जबकि 40 प्रतिशत दूध उसके बछड़े के लिए सुरक्षित रखते हैं। उज्जैन में गिर गाय का दूध करीब 90 रुपए प्रति लीटर बिकता है। सामान्य गायों के मुकाबले गिर गाय के दूध की कीमत अधिक मिलती है।

कार-बाइक की भिड़ंत के बाद बाइक में लगी आग

एक युवक की मौत व दूसरा कुएं में गिरा



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। उज्जैन-जावरा स्टेट हाईवे पर धोक पड़वा की रात बेड़वन्या गांव के पास एक भीषण सड़क हादसा हो गया। कार और बाइक के बीच हुई आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक में तुरंत आग लग गई और एक युवक उछलकर सड़क किनारे स्थित कुएं में जा गिरा।

मृतक की पहचान बिरलाग्राम (सी ब्लॉक टापरी) निवासी गजानन (26) पिता हितेंद्र सनी के रूप में हुई है। वहीं बिरलाग्राम मल्टी निवासी नीरज (22) पिता संतोष घायल हो गया। हादसे के वक्त वहां से गुजर रहे भाजपा नेता लखन गुर्जर ने अपनी कार से घायल नीरज को तत्काल नागदा के शासकीय अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

एम्बुलेंस के एक घंटे देरी से पहुंचने पर भारी आक्रोश

घटना के बाद ग्रामीणों में एम्बुलेंस के एक घंटे देरी से पहुंचने पर भारी आक्रोश फैल गया। मौके पर पहुंचे पूर्व विधायक दिलीप सिंह शेखावत ने हादसे पर दुख जताते हुए हाईवे पर संकेतक और स्पीड ब्रेकर न होने पर प्रशासन को घेरा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए तो आंदोलन किया जाएगा। सूचना मिलते ही खाचरौद तहसीलदार, नागदा थाना प्रभारी और बिरलाग्राम थाना प्रभारी धनसिंह नलवाया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए रात में ही दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात सुचारू करवाया।

महिला की गोली लगने से मौत

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। नगर के शरद नगर में पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी विवेक दुबे की मां उषा दुबे की गोली लगने से मौत हो गई। दीपावली की तैयारियों के लिए छोटे बेटे विजय दुबे के घर पहुंची थी, वहीं यह हादसा हुआ। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस टीम द्वारा मामले को जांच में लिया गया है।

गोली उनके दाहिने कंधे के पास लगी। आवाज सुनते ही परिजन मौके पर पहुंचे और गंभीर हालत में उन्हें जिला अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार वे अपने बड़े बेटे विवेक दुबे के साथ रहती थीं। रविवार दोपहर करीब 12 बजे वे दीपावली की तैयारियां करवाने के लिए छोटे



बेटे विजय दुबे के घर पहुंची थी। दोनों भाइयों के घर आसपास ही हैं। छोटे बेटे के घर पर ही उनके दाहिने कंधे के पास गोली लगी। गोली लगने के बाद उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कमरे को सील कर फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

घटना की सूचना मिलते ही एसडीओपी कीर्ति बघेल लालघाटी थाना पुलिस के साथ मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जिस कमरे में बुजुर्ग को गोली लगी थी, उसे सील कर दिया। साक्ष्य जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। एसडीओपी कीर्ति बघेल ने बताया कि लालघाटी थाना क्षेत्र के शरद नगर में गोली चलने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच की गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

विधायक भीमावद ने माँ नर्मदा गौशाला में किया गौमाता पूजन



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। गोवर्धन पर्व के अवसर पर सोमवार को विधायक अरुण भीमावद ने शाजापुर तहसील के ग्राम सतगांव स्थित मां नर्मदा गौशाला में विधि-विधान के साथ गोवर्धन पूजा की। इस अवसर पर उन्होंने गौमाता का पूजन कर जिलेवासियों के सुख, खुशहाली एवं कल्याण की कामना की।

विधायक भीमावद ने गोवर्धन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा गोवर्धन पूजा को शासकीय स्तर पर मनाने की पहल का उद्देश्य धार्मिक परंपराओं को प्रोत्साहन देने के साथ समाज को गौसेवा और गौसंरक्षण से जोड़ना है। शासन द्वारा गौशालाओं के निर्माण एवं संचालन के लिए आर्थिक सहयोग दिया जाता है, लेकिन समाज की सहभागिता से इनका बेहतर संचालन संभव हो रहा है।

साड़ी, कपड़े और मिठाई वितरित

40 बस्तियों में जरूरतमंद परिवारों के साथ मनाई दीपावली

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। निशा चामुंडेश्वरी मां फाउंडेशन की डायरेक्टर निशा यादव के नेतृत्व में जुग्गी बस्ती में दीपावली उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी उपस्थित रहे, वहीं विशेष अतिथि के रूप में मनीष जैन शामिल हुए। इस अवसर पर संस्था की ओर से 40 बस्तियों की जरूरतमंद महिलाओं को साड़ियां वितरित की गईं, वहीं बच्चियों को सूट तथा बच्चों को नए कपड़े भेंट किए गए।

दीपावली की खुशियां बांटने के उद्देश्य से बच्चों को फुलझड़ियां, अनार, चकरी और बाती वितरित



की गई। बच्चों के बीच बैठकर चॉकलेट और मिठाइयां बांटी।

10 साल से संस्था कर रही है ऐसे आयोजन

संस्था के सेकंड डायरेक्टर सुनील प्रजापति ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा पिछले 10 वर्षों से लगातार इस प्रकार के आयोजन किए जा रहे हैं। संस्था का उद्देश्य समाज के उन लोगों तक खुशियां पहुंचाना है, जिनकी खुशियों को अक्सर कोई देखने नहीं पहुंचता। कार्यक्रम में संस्था के सदस्य अमृत सिंह राजपूत, नमन गुर्जर हर्षित व्यास, युवराज कुशवाह, देवेंद्र मालवीय, अंकित परमार, राहुल निगम, अमित सोनी, निशा मालवीय, वैष्णवी बरेठा, मानसी शास्त्री एवं प्रवीण बैरागी उपस्थित रहे।

बोलेरो में गाय भरकर ले जा रहे तीन धराए

शाजापुर। बेसहारा गायों को बोलेरो पिकअप में ले जाने की कोशिश कर रहे तीन आरोपियों को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। चौथा आरोपी गजेंद्र सिंह राजपूत मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों को देखकर आरोपियों ने दो गायों की रस्सियां काट दीं और वे भाग गईं।

फरियादी गौरक्षक मुकेश बंजारा ने पुलिस को बताया कि वह साथी राकेश बंजारा के साथ गांव कांजा के बल्ड़े पर गया था। वहां सफेद बोलेरो पिकअप पहुंची। उसमें चार गायों को भरा जा रहा था। गायों को रस्सियों से बांधा गया था और एक गाय को नीचे दबाकर वाहन में चढ़ाने की कोशिश की जा रही थी। मुकेश और राकेश ने आरोपियों को रोकने की कोशिश की। उन्होंने गांव के विक्रम बंजारा, पप्पू बंजारा और सुनील बंजारा को फोन कर मौके पर बुलाया। ग्रामीणों के पहुंचने पर आरोपियों ने दो गायों की रस्सियां काट दीं। इसी दौरान गजेंद्र सिंह राजपूत भाग गया। पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम राहुल पिता राजाराम गुर्जर निवासी बक्सुखेड़ी, अनोप पिता रामसिंह गुर्जर निवासी एनावद जिला देवास और रविंद्र पिता भंवरसिंह राजपूत निवासी एनावद जिला देवास बताया। जबकि फरार आरोपी गजेंद्र पिता रतनसिंह राजपूत निवासी कांजा है।

गुर्जर समाज ने किया पितरों का तर्पण, पूजा कर पूर्वजों को श्रद्धांजलि

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। जिले के मक्सी में दीपावली के दूसरे दिन गुर्जर समाज ने चल समारोह निकाला। इसके बाद समाज के लोगों ने नदी पर पहुंचकर पितरों का तर्पण किया। पूर्वजों को याद कर श्रद्धांजलि दी और परिवार व समाज की सुख की कामना की। समाज में धनतेरस से नववर्ष तक कई धार्मिक और पारंपरिक आयोजन किए जाते हैं।

समाज की परंपरा के अनुसार धनतेरस पर सालभर में दिवंगत हुए परिजनों को पितृ श्रेणी में शामिल किया जाता है। इस दिन समाजजन ओजी झाड़ और पूजन सामग्री लेकर नदी, तालाब या दूसरे जल स्रोतों पर जाते हैं। वहां जल, तर्पण और पूजा कर दिवंगत परिजनों की आत्मशांति की प्रार्थना करते हैं।

चौदस के दिन पालिया-सती पूजन और गोती जिमाने की परंपरा निभाई जाती है। इसमें अपने गोत्र के पांच परिजनों को बुलाकर भोजन कराया जाता है। यह आयोजन खास तौर पर असमय दिवंगत हुए लोगों की याद में किया जाता है।



अमावस्या पर पितरों का तर्पण और गौ-पूजन

दीपावली की अमावस्या पर समाज के लोग सामूहिक रूप से जल स्रोत पर पहुंचकर पितरों का तर्पण किया। इसके बाद गौ-माता की पूजा कर सुख, शांति, निरोगी जीवन की कामना की हैं। दीपावली के पड़वा यानी नववर्ष पर समाज के लोग एक-दूसरे के घर जाकर धोक-अरज करते हैं और बड़ों का आशीर्वाद लेते हैं। इस परंपरा के जरिए नई पीढ़ी को पूर्वजों की याद और समाज के रीति-रिवाजों से भी परिचित कराया जाता है।

आयोजन मंत्री सिलावट ने किया जिला जेल स्थित गौशाला में गौपूजन

सनातन का प्रतीक है गोवर्धन पूजा: सिलावट

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। जिले में गोवर्धन पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिले की सभी गौशालाओं में गोवर्धन पूजा एवं गौ पूजन के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर देवास की जिला जेल स्थित गौशाला में आयोजित मुख्य गौ-पूजन कार्यक्रम में प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट शामिल हुए। कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से गोवर्धन भगवान एवं गौ-माता की पूजा-अर्चना कर महाआरती की गई।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार सुसज्जित गौ-माता को रोली-चंदन का तिलक लगाया, पुष्पमाला अर्पित की तथा आरती उतारकर गौ-ग्रास व भोग समर्पित किया। इस अवसर पर संपूर्ण परिसर जय गौ-माता और गोवर्धन महाराज की जय के उद्घोष से गुंजायमान रहा। उपस्थित सभी ने सामूहिक रूप से गौ-सेवा और संवर्धन के



संकल्प को दोहराया।

गोवर्धन पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं,

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संकल्प के अनुरूप संपूर्ण मध्य प्रदेश में गोवर्धन पूजा को व्यापक जन-उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि हमारी सनातन संस्कृति, पर्यावरण संतुलन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के मूल आधार गौ-वंश के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का महापर्व है। मंत्री सिलावट ने कहा कि जिस प्रकार द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर संपूर्ण गोकुलवासियों और पशुधन की रक्षा की थी, उसी प्रकार हम सब मिलकर भगवान श्रीकृष्ण और गौ-माता से प्रार्थना करते हैं कि वे हमारे मध्य प्रदेश और देवास के प्रत्येक नागरिक पर अपनी असीम कृपा बनाए रखें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में प्रदेश विकास, कृषि समृद्धि, जल संवर्धन और सांस्कृतिक नवजागरण के पथ पर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम में विधायक मनोज चौधरी और पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष रायसिंह सेंधव भारतीय जनजीवन में गौ-माता के स्थान को सर्वोपरि बताते हुए सांस्कृतिक महात्व रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा गौ-शालाओं के सुदृढ़ीकरण, प्राकृतिक खेती, दुग्ध उत्पादन वृद्धि तथा निराश्रित गौ-वंश के समुचित संरक्षण हेतु निरंतर कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं।

इस अवसर पर देवास नगर निगम महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लीला अटारिया, नगर निगम सभापति रवि जैन, पूर्व प्राधिकरण अध्यक्ष राजेश यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला त्यौहार है: प्रेमलता दीदी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय कालानी बाग सेंटर पर संस्था की मुख्य जिला संचालिका ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी प्रेमलता दीदी के सानिध्य में भगवान श्री गणेश जी, मां लक्ष्मी जी पूजन एवं भाई बहनों का शॉल, श्रीफल से सम्मान कर मिठाई बाँटी गई। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी प्रेमलता दीदी ने सभी भाई बहनों को दीपावली कि शुभकामना देते हुए अपनी अमृतवाणी में कहा कि हमारा देश त्योहारों का देश है और इसीलिए साल भर में अनेक त्यौहार आते हैं।

उन्होने कहा कि त्योहार मनुष्य के अंदर नई चेतना का संचार कर उन्हें ऊजार्वान बना देते हैं। और नई जागृति हमारे अंदर प्रज्जवलित हो जाती है।



अनेक त्योहारों में दीपावली का त्योहार विशेष माना जाता है। दीपावली जब आती है तो छोटे बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्गों के अंदर उर्जा उत्साह खुशी की लहर व्याप्त हो जाती है। क्योंकि दीपावली अकेले नहीं आती पांच त्यौहार और साथ में लेकर आती है। पांच त्योहार और जुड़े जाते हैं। जिससे एक ऐसा माहौल उत्पन्न हो जाता है कि चारों तरफ खुशियां ही खुशियां नजर आने लगती है। आगे कहा कि अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का त्यौहार है दीपावली। दीपावली अमावस्या पर आती है, जब चारों ओर अंधकार छाया रहता है। परंतु एक नई उम्मीद आशा की किरण होती हैं। कि हमें अंधकार से प्रकाश की ओर जाना है। यह कोई स्थुल प्रकाश की बात नहीं है। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी अपुलश्रीश्री दीदी, ज्योति दीदी, मनीषा दीदी, हेमा वर्मा बहन, एकता बहन, सफला बहन, विवेक भाई, सुनील भाई बंसीलाल राठौर भाई आदि संस्था से जुड़े सभी भाई बहन उपस्थित थे।

दिग्विजय सिंह का बड़ा बयान

उमंग और पटवारी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा विधानसभा चुनाव

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को गुना में एक अनौपचारिक चर्चा के दौरान राजनीति, धर्म, और आगामी चुनावों को लेकर खुलकर कई बड़े बयान दिए हैं। इस दौरान उन्होंने साफ किया कि मध्य प्रदेश में आगामी 2028 का विधानसभा चुनाव पार्टी के प्रमुख नेताओं उमंग सिंघार और जीतू पटवारी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। साथ ही उन्होंने भाजपा की विचारधारा, किसानों की समस्याओं और विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखी।

भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा पर निशाना साधते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि भाजपा का सनातन हिंदुत्व नहीं है, बल्कि उनका सावरकर हिंदुत्व है और सावरकर का हिंदुत्व समाज को बांटने का काम करता है। सोनिया गांधी की हालिया किताब पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करके अपना बड़प्पन दिखाया है। उन्होंने कहा कि भले ही कांग्रेस और भाजपा की विचारधारा कभी मेल नहीं खाई हो, लेकिन एक सामान्य परिवार से निकलकर प्रधानमंत्री बनने वाले व्यक्ति के संघर्ष की सराहना करना बड़प्पन को दशार्ता है। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी के भीतर किसी भी प्रकार की कोई गुटबाजी नहीं है।

मध्य प्रदेश में किसानों की बिजली समस्या और सिंधिया पर तंज

प्रदेश के किसानों की बदहाली पर गहरा आक्रोश जताते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में किसानों को पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही है। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की ओर इशारा करते हुए कहा कि जब सांसद और केंद्र सरकार



के मंत्री यहीं के हैं, तो किसानों की सुधि क्यों नहीं ली जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरी मजबूती के साथ किसानों की इस लड़ाई को लड़ेगी।

साथ ही उन्होंने यह भी मांग की कि गुना जिले में यदि कहीं भी अवैध कब्जा हुआ है, तो उसे हटाने की पूरी जवाबदेही वर्तमान भाजपा सरकार की है।

धीरेंद्र शास्त्री से जिसने कथा कराई वह चुनाव हार गया

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री के बयानों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि वे भगवान कृष्ण पर दी गई उनकी टिप्पणी से बिल्कुल सहमत नहीं हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि धीरेंद्र शास्त्री के पास लोगों के मन की बात भांपने या दिमाग पढ़ने की क्षमता है, लेकिन साथ ही तंज कसते हुए यह भी जोड़ा कि जिन-जिन नेताओं ने उनके यहाँ कथा कराई थी, वे सभी चुनाव हार गए।

एसआईआर पर योगी आदित्यनाथ का किया समर्थन

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा एसआईआर को लेकर जताई गई आपत्ति का समर्थन करते हुए दिग्विजय सिंह ने मांग की कि इसे समाप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के अधिकारी ज्ञानेश कुमार को देश की जनता को जवाब देना चाहिए कि आखिर किसके आदेश पर एसआईआर की प्रक्रिया कराई जा रही है। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश में आगामी चुनावों के संबंध में उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की संभावना भी जताई।

मेरी यात्रा का चुनाव से संबंध नहीं

भाजपा के एक चर्चित नारे पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह के नारे इस बात को पूरी तरह स्पष्ट करते हैं कि भाजपा का लोकतंत्र में कोई विश्वास नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने अपनी आगामी 'सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा' को लेकर स्थिति साफ करते हुए कहा कि उनकी इस यात्रा का किसी भी चुनाव से कोई सीधा संबंध नहीं है।

टूटी नहरों से किसानों की चिंता बढ़ी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना/बमोरी। रबी सीजन की फसलों की तैयारी के बीच क्षेत्र में सिंचाई तंत्र की बदहाली किसानों के लिए भारी संकट बन गई है। खेतों तक पानी पहुंचाने वाली मुख्य व शाखा नहरें जगह-जगह से क्षतिग्रस्त और जर्जर हालत में पड़ी हैं। एक तरफ जहां किसान गेहूं, चना और सरसों की पलेवा व सिंचाई की तैयारियों में जुटे हैं, वहीं दूसरी तरफ नहरों के टूटे पड़े होने से अंतिम छोर (टेल) तक पानी पहुंचना नामुमकिन नजर आ रहा है। सिंचाई व्यवस्था की इस नाकामी के चलते किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा सकती हैं। किसानों का कहना है कि इससे उन्हे काफी नुकसान होना पड़ेगा।

नहर तंत्र के बदहाल होने का सबसे बड़ा असर रामपुर, सेनवोट, लालोनी, अजरोड़ा और पाठी जैसे इलाकों में देखने को मिल रहा है। इन गांवों के रकबे में बड़ी तादाद में किसान पूरी तरह नहरी पानी पर निर्भर हैं। किसानों का कहना है कि अगर समय रहते



पानी नहीं मिला, तो बुवाई पिछड़ जाएगी, जिससे उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा। फसलों के समय पर पानी न मिलने से किसानों की सालभर की मेहनत पर पानी फिरने का अंदेशा बना हुआ है।

मरम्मत न होने से आक्रोश पानी रिसने की आशंका

किसानों का आरोप है कि सिंचाई विभाग को सीजन शुरू होने से पहले ही नहरों की सफाई और मरम्मत करानी चाहिए थी, लेकिन जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते नहरों में कई जगह बड़ी दरारें हैं और तटबंध टूटे हुए हैं। ऐसे में यदि पानी छोड़ा भी जाता है, तो खेतों में पानी पहुंचने की बजाय रास्ते में ही रिसाव होकर व्यर्थ बहेगा और आसपास के खेतों में जलभराव की स्थिति बन जाएगी, जिससे किसानों को दोहरा नुकसान उठाना पड़ेगा।

सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतों को दबाने का आरोप

क्षेत्रीय किसानों ने प्रशासनिक उदासीनता पर तीखा रोष व्यक्त किया है। हमीरपुर के कृषक कन्हैयालाल कश्यप, लालोनी के कैलाश मीणा ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि वे पिछले चार-पांच वर्षों से लगातार नहर टूटने की शिकायत कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि दो बार नहर टूटने के कारण उनके खेत में खड़ी फसल भी पूरी तरह खराब हो चुकी है। किसानों का आरोप है कि सीएम हेल्पलाइन पर समस्या के वास्तविक निराकरण की बजाय अधिकारी स्वयं ही दबाव बनाकर या मनमाने तरीके से शिकायतें बंद करवा देते हैं। पिछले पांच वर्षों में उनकी चार शिकायतों को इसी प्रकार बंद किया जा चुका है, जिससे विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

किसानों की मांगः युद्धस्तर पर शुरू हो मरम्मत कार्य

रामपुर और सेनवोट क्षेत्र के किसानों ने प्रशासन व संबंधित विभाग से कड़े शब्दों में मांग की है कि रबी फसलों की सिंचाई को ध्यान में रखते हुए बिना किसी देरी के क्षतिग्रस्त नहरों की मरम्मत का कार्य युद्धस्तर पर शुरू कराया जाए, ताकि टेल क्षेत्र के किसानों को समय पर पर्याप्त पानी मिल सके।

किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान नहीं किया गया, तो उन्हें मजबूरन सड़कों पर उतरकर आंदोलन की राह पकड़नी पड़ेगी।

रामानंद गौशाला में धूमधाम से मनाई गई गोवर्धन पूजा

कुंभराज। नगर की प्रसिद्ध रामानंद गौशाला में गोवर्धन पूजा का पर्व बड़ी श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। गौशाला परिसर में गोवर्धन पूजा के अवसर पर गोवर्धन पर्वत का प्रतीकात्मक स्वरूप बनाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई।

गौ माता को फूल-माला पहनाकर, तिलक लगाकर, गुड़-चारा खिलाया गया और परिक्रमा की गई। गौ माता की जय, गोवर्धन महाराज की जय के जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। गौ सेवा समिति के सदस्यों ने बताया कि गोवर्धन पूजा का उद्देश्य गौ सेवा और प्रकृति की रक्षा का संदेश देना है। भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर इंद्र के अहंकार को तोड़ा था और गौवंश की रक्षा की थी। उसी परंपरा को आज भी कुंभराज में निभाया जा रहा है। इस अवसर पर नगर के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, गौभक्त और बड़ी संख्या में महिलाएं व बच्चे उपस्थित रहे। इसके साथ ही सभी ने गौशाला में गौदान और चारा दान कर पुण्य लाभ अर्जित किया।



नगर में धूमधाम से घर- घर हुई गोवर्धन महाराज की पूजा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। दीपावली के दूसरे दिन भगवान गोवर्धन जी पूजा की गई। इस दौरान गाय के गोबर के भगवान गोवर्धन बनाकर पूजा अर्चना की गई। इसके बाद लोगों ने पटाखों का आनंद लिया। इस पर्व के साथ ही अन्नकूट की शुरुआत हो गई। है। उल्लेखनीय है कि यह पूजा सर्व प्रथम भगवान श्री कृष्ण जी ने ब्रज (मथुरा) से इस पूजा की शुरूआत की थी ।

गोवर्धन पूजा में 36 प्रकार के व्यंजन का भोग बड़े ही श्रद्धाभाव से लगाया जाता है भगवान गोवर्धन की प्रतिकृति गाय के गोबर से बनाई जाती है वेदो पुराणों में लिखें अनुसार इस दिन भगवान वरुणदेव, इन्द्रदेव, अग्नि देव बाल ग्वाल पेड़ पौधे व गाय माता की पूजन का विशेष विधान है। गाय माता को स्वच्छ जल से स्नान करा कर श्रृंगार किया जाता है व श्रद्धापूर्वक पूजा की जाती है । हरा चारा व मिठाई व्यंजन भी खिलाये जाते है। इसी दिन से सभी मंदिरों में अन्नकूट के प्रसादी वितरण की शुरूआत हो जाती है' । नगर में मंदिरों पर आज जगह-जगह अनुकूल प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

काबाईड गन के शौक ने ली युवक ने जान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। जिले में प्रतिबंध और लगातार प्रशासनिक चेतावनियों के बावजूद कार्बाइड गन का क्रेज लोगों की जान पर भारी पड़ रहा है।



दीपावली के पावन पर्व पर उत्साह के बीच एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। जिले के नकटपुर गांव में कार्बाइड गन से गिलास पर निशाना लगाने की शौकीन एक युवक की जान तेज धमाके और उसके खतरनाक परिणामों की भेंट चढ़ गई। इस जानलेवा विस्फोट में उड़े गिलास का एक नुकीला टुकड़ा सीधे युवक के पेट में जा घुसा, जिससे उसकी आंतें तक गंभीर रूप से क्षत-विक्षत हो गईं और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी सांसे थम गईं।

घटनाक्रम के मुताबिक उदयपुरी ग्राम पंचायत के नकटपुर गांव में 9 नवंबर को दोपहर लगभग तीन बजे सोनू पुत्र धनराज आदिवासी कार्बाइड गन के जरिए कांच के गिलास को निशाना बनाकर अपनी कलाकारी दिखा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के मुताबिक, जैसे ही कार्बाइड गन में धमाका हुआ, वैसे ही प्रेशर और विस्फोट के कारण गिलास के टुकड़े हवा में तीखे हथियारों की तरह बिखर गए। इसी दौरान एक बड़ा टुकड़ा उछलकर सीधे सोनू के पेट में जा धंसा। अंदरूनी अंगों को गंभीर क्षति पहुंचने के कारण उसकी स्थिति पल भर में नाजुक हो गई। घटना के बाद परिवारवालों और आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। बदहवास परिजन उसे तुरंत नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मारकीमहू लेकर भागे, जहाँ डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार देकर उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल गुना रेफर कर दिया। लेकिन गुना लाते वक्त रास्ते में खेरखेड़ा गांव के समीप ही युवक ने दम तोड़ दिया। इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद गमगीन परिजनों ने कानूनी औपचारिकताओं और पुलिस कार्रवाई से बचते हुए पोस्टमार्टम कराने से पूरी तरह इनकार कर दिया।

भाईदूज पर आज जिले में रहेगा स्थानीय अवकाश

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल द्वारा वर्ष 2026 के लिए गुना जिले के वास्ते तीन स्थानीय अवकाश घोषित किए गए हैं। जारी घोषित स्थानीय अवकाश के तहत भाईदूज के अवसर पर 11 नवंबर 2026 बुधवार को जिले में स्थानीय अवकाश रहेगा। इस दौरान जिले के सभी शासकीय कार्यालय और संस्थान बंद रहेंगे, लेकिन यह अवकाश जिले के कोषालय और उप कोषालय के लिए लागू नहीं रहेगा। कोषागार से जुड़े जरूरी वित्तीय कार्य और कामकाज सामान्य दिनों की तरह सुचारू रूप से जारी रहेंगे।

देवोत्थान एकादशी पर निकलेगी भव्य मंगल प्रभातफेरी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। धर्म, आस्था और भारतीय वैदिक संस्कृति की अनूठी पहचान बन चुकी अशोकनगर की ऐतिहासिक मंगल प्रभातफेरी इस वर्ष भी देवोत्थान एकादशी के पावन अवसर पर 20 नवंबर 2026 को श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली जाएगी। लगभग तीन दशकों से अक्षरपीठ के तत्वावधान में पं. कैलाशपति के नेतृत्व एवं संयोजन में निरंतर आयोजित हो रही यह प्रभातफेरी अब अशोकनगर की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान बन चुकी है।

मध्यप्रदेश में अपने प्रकार का अनूठा यह आयोजन प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में माताओं, बहनों एवं श्रद्धालुओं को भारतीय संस्कृति और वैदिक परंपराओं से जोड़ता है। इस अवसर पर नगर का वातावरण भक्ति और आध्यात्मिक चेतना से सराबोर हो जाता है। ब्रह्ममुहूर्त में अशोकनगर के प्रत्येक घर के द्वार पर आकर्षक रंगोलियां सजाई जाती हैं तथा दीप प्रज्वलित कर भगवान के स्वागत की तैयारियां की जाती हैं। इसके साथ ही वेदोक्त परंपरा के अनुसार मंत्रोच्चार एवं वैदिक विधि-विधान से देव जागरण कराया जाता है।

मंगल प्रभातफेरी का शुभारंभ 20 नवंबर को प्रातः 4:45 बजे पुराना बाजार स्थित श्री राजराजेश्वर महादेव मंदिर से होगा। प्रभातफेरी नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई पुनः पुराना बाजार स्थित माधवगढ़ी श्री राधाकृष्ण मंदिर पहुंचकर संपन्न होगी।

तैयारियों में जुटे युवा कार्यकर्ता

आयोजन को भव्य एवं व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से अक्षरपीठ के



युवा कार्यकताओं द्वारा वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने सहभागिता की तथा आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं एवं तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श किया। कार्यकताओं ने अपने-अपने दायित्व ग्रहण कर आयोजन को सफल बनाने के लिए तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं।

अक्षरपीठ के इस आयोजन का उद्देश्य केवल धार्मिक उत्सव मनाना ही नहीं, बल्कि नगर की सनातन सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखते हुए नई पीढ़ी को भारतीय वैदिक संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और सामूहिक सामाजिक सहभागिता से जोड़ना भी है। तीन दशकों से निरंतर प्रवाहित यह मंगल प्रभातफेरी आज अशोकनगर के जनमानस की आस्था का प्रतीक बन चुकी है। इस वर्ष भी नगरवासी उत्साह, श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ इस मंगलमय आयोजन में सहभागी बनेंगे।

टेलीग्राम पर निवेश के नाम पर साइबर ठगी करने वाला आरोपी असम से गिरफ्तार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

राजगढ़। माचलपुर थाना पुलिस ने साइबर अपराधों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए टेलीग्राम पर निवेश के नाम पर ठगी करने वाले एक आरोपी को असम से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2 लाख रुपये नकद बरामद करने के साथ ही एमआरएम पोर्टल के माध्यम से ठगी गई पूरी राशि पीड़ित को वापस दिलाकर शत-प्रतिशत मशरुका बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी के निर्देशन और एएसपी के.एल. बंजारे तथा एसडीओपी धर्मवीर सिंह नागर के मार्गदर्शन में यह सफलता मिली है। फरियादी घनश्याम वर्मा (27), निवासी ग्राम खेड़ी पोलखेड़ा ने 27 जुलाई 2026 को माचलपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात आरोपियों ने टेलीग्राम के जरिए निवेश पर



अधिक मुनाफे का लालच देकर उससे कुल 2,04,320 रुपये की ठगी कर ली है।

तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सुराग जुटाए

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए गठित विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सुराग जुटाए और असम के नौगाँव जिले के थाना भटडवा अंतर्गत ग्राम अमलासी निवासी आरोपी अब्दुल रसीद (30) पिता मोहम्मद अक्कास को धर दबोचा। आरोपी के पास से 2 लाख रुपये नकद जप्त किए गए, जबकि शेष राशि तकनीकी माध्यमों से पीड़ित के खाते में वापस कराई गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक आदित्य सोनी, उप निरीक्षक राहुल सेंधव, आरक्षक ब्रजेश देसाई, राहुल राजपूत और साइबर टीम की अहम भूमिका रही। राजगढ़ पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान लिंक, संदिग्ध कॉल या अधिक मुनाफे के प्रलोभन देने वाले ऑनलाइन निवेश प्रस्तावों से सतर्क रहें।

स्टेरिंग फेल होने से डिवाइडर से टकराई कार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। जिले के राघौगढ़-एनएफएल स्थित साडा कॉलोनी के पास सर्विस रोड पर मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। गुजरात से उत्तर प्रदेश की ओर जा रहे एक परिवार की तेज रफ्तार कार अचानक स्टेरिंग फेल होने के कारण अनियंत्रित होकर साइड डिवाइडर से जा टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और वाहन का अगला पहिया टूटकर अलग हो गया। घटना के संबंध में चालक ने बताया कि सुबह करीब साढ़े 8 बजे अचानक स्टेरिंग लॉक होने के कारण यह दुर्घटना हुई। गनीमत यह रही कि इस भीषण हादसे में कार में सवार महिला, पुरुष और बच्चों समेत किसी भी सदस्य को खरोंच तक नहीं आई।



स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- जितेंद्र कोठारी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. राऊखेड़ी, देवास रोड, इंदौर (म.प्र.) 453771 से मुद्रित एवं 107, प्रथम माला, स्वदेश भवन, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) 452011 से प्रकाशित। संपादक-राघवेंद्र*।
आरएनआई नं. एमपीबीआईएल/2020/80117, फोन- 0731 3144237, मो. 83570 89000, Email-mradubhashi.news@gmail.com। समाचार चयन के लिए पीआरपी एक्ट के तहत जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)